केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

अंग्रेजी में एक प्रसिद्ध वाक्य है- 'फर्स्ट डिज़र्व, देन डिज़ायर' यानी पहले योग्य बनो, बाद में सफलता की कामना करो

वर्ष : 17 अंक : 31 | उज्जैन, शनिवार 11 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

अभी भारत की जेल में ही रहेगा लॉरेंस बिश्नोई, निज्जर हत्याकांड में FBI की चार्जशीट के बावजूद क्यों नहीं होगा प्रत्यर्पण?

नई दिल्ली/ जीएनएस। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में एफबीआई द्वारा चार्जशीट किये जाने के बावजूद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल भारतीय जेल में रहेगा। अपराधियों के लिए अमेरिका से हुए प्रत्यर्पण की शर्तों के अनुरूप भारत में ट्रायल और सजा पूरी होने के बाद ही उसे निज्जर हत्याकांड में ट्रायल के लिए अमेरिका भेजा जाएगा। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भी अमेरिका ने अपने यहां सजा पूरी होने के बाद ही भारत को सौंपा था। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार अभी तक अमेरिका की ओर से कूटनीति स्तर पर लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यर्पण का कोई अनुरोध नहीं आया है। लेकिन अमेरिकी अदालत में चार्जशीट को देखते हुए निकट भविष्य में अनुरोध आना सुनिश्चित माना जा रहा है। लेकिन 1997 की अमेरिका के साथ हुई प्रत्यर्पण संधि के अनुसार ट्रायल और सजा पूरी होने के बाद ही उसे सौंपा जा सकता है और इसमें कोई बदलाव संभव नहीं है। बिश्नोई पर हत्या और जबरन बसूली के 80 से अधिक मामले विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं। जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज की प्रोफेसर अंशु जोशी के अनुसार प्रत्यर्पण में देरी होने के बावजूद अमेरिका के साथ कूटनीतिक संबंधों को देखते हुए भारत निज्जर हत्याकांड की जांच में पूरा सहयोग कर सकता है। इसके तहत अमेरिकी जांच कर्ताओं को लॉरेंस बिश्नोई से जेल के भीतर पूछताछ की इजाजत भी दी सकती है। मुंबई आतंकी हमले के आरोपित हेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा से जेल में पूछताछ की इजाजत अमेरिका ने दी थी। भारत से एनआइए की टीम ने अमेरिका जाकर दोनों का बयान भी दर्ज किया था।

5 बार जेल जाऊंगा... राजपाल यादव को 3 महीने की सजा; पत्नी राधा यादव की भी बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजपाल यादव को 10 जुलाई को दिल्ली की कोर्ट 9 करोड़ के कर्ज मामले में तीन महीने की जेल भेज दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद एमएस मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के वकील अवनीश सिक्का ने बताया है कि आखिर कोर्ट ने राजपाल को क्यों तीन महीने की जेल की सजा दी है। सिक्का ने बताया कि इस मामले में राजपाल यादव ने कुल 21 केस फाइल किए थे और सभी के सभी आज कोर्ट ने खारिज कर दिए। अदालत ने राजपाल को तीन महीने की जेल और 1.05 करोड़ हर केस में फाइन के रूप में जमा करने को कहा है। सिक्का ने आगे बताया कि राजपाल की पत्नी राधा भी सभी केस में आरोपी थीं। उन्हें भी हर केस में पांच लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश है। अदालत ने कहा कि राजपाल यादव को कई बार अपना वादा पूरा करने और कंपनी का बकाया चुकाने का मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद भुगतान नहीं किया। इसके साथ ही आखिरी सुनवाई में राजपाल ने कहा था कि %मैं फूटी-कौड़ी नहीं दूंगा चाहे मुझे 5 बार जेल क्यों न जाना पड़ जाए। सिक्का ने आगे बताया कि राजपाल की याचना पर उन्हें दो महीने का समय भी दिया गया है कि या तो पैसे भरो या सुप्रीम कोर्ट जाएं। लेकिन दोषसिद्धि और सजा बरकरार रहेगी। वहीं बिजनेसमैन माधव गोपाल अग्रवाल जिसने राजपाल ने 2012 में अपनी निर्देशित फिल्म ÷अता पता लापता÷ के लिए 5 करोड़ लिए थे ने एक बार बताया था कि उन्होंने राजपाल की पत्नी राधा के इमोशनल मैसेज के चलते पांच करोड़ का लोन दिया था। अग्रवाल ने ये भी कहा था कि उन्होंने इसी शर्त पर पैसा दिया था कि उनके पैसे लौटा दिए जाएंगे चाहे फिल्म हिट हो या फ्लॉप। अग्रवाल ने बताया था कि राजपाल ने उन्हें पर्सनल गारंटी दी थी और मैंने पूरी तरह लोन दिया था न कि निवेश किया था। लेकिन तब से ही राजपाल पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं।

मालवा की समृद्धि का नया द्वार बनेगा उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन कॉरीडोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

5,017 करोड़ से बनेगा 98.73 किमी लंबा ग्रीनफील्ड कॉरीडोर

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मालवा अपनी बोली की मिठास और उद्यमशीलता के लिए जाना जाता है। यह कर्मयोगियों और उद्यमियों की भूमि है। हम मालवा के विकास के लिए हर जरूरी प्रबंध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड कॉरीडोर प्रोजेक्ट क्षेत्रीय विकास, समृद्धि और विश्वास का नया मार्ग है। इससे उज्जैन, जावरा और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरीडोर केवल उज्जैन और रतलाम के लिए विकास का हाइवे नहीं, यह पूरे मालवा क्षेत्र के समग्र विकास और अर्थव्यवस्था का नया स्पीड ट्रैक बनेगा। इस कॉरीडोर से यात्री परिवहन सुगम होगा, यात्रा समय में कमी एवं भाड़ा लागत न्यूनतम हो जाने से लॉजिस्टिक्स को भी उल्लेखनीय गति मिलेगी, जिसका लाभ उद्योग, व्यापार, कृषि और पर्यटन सभी क्षेत्रों को प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नागदा में उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन कॉरीडोर परियोजना के भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागदा में अस्थायी भवन में केंद्रीय विद्यालय के संचालन और सड़क सुरक्षा के जन-भागीदारी मॉडल के रूप में %जन सेवा प्रहरी अभियान% का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले में संचालित शासकीय योजनाओं के चयनित पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में यह कॉरीडोर एक महत्वपूर्ण परियोजना है। देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा के लिये बेहतर अधोसंरचना प्रबंधन करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह कॉरीडोर सिंहस्थ = 2028 से पहले (दिसम्बर 2027 तक) बनकर तैयार हो जाएगा।

प्रमुख घोषणाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर उज्जैन-जावरा के मध्य वर्तमान सड़क मार्ग के चौड़ीकरण कार्य को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नागदा और खाचरौद अब फोरलेन रोड से रतलाम शहर से कनेक्ट किया जाएगा। उन्होंने खाचरौद में नवीन मटर मंडी के लिए अतिरिक्त शासकीय भूमि देने और यहां एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागदा विधानसभा क्षेत्र में अटलावदा-निनावटखेड़ा चंबल नदी पर नया बांध बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने नागदा में नया आईटीआई केन्द्र खोलने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक और विश्वस्तरीय अधोसंरचनात्मक के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेहतर सड़क नेटवर्क से निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त होगी। उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट न केवल सिंहस्थ-2028 की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भविष्य में मालवा अंचल के विकास और प्रदेश की प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार भी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह कॉरीडोर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखेगा। करीब 100 किलोमीटर लंबी इस परियोजना से यातायात की सुगमता के साथ औद्योगिकीकरण को भी नई रफ्तार मिलेगी। उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड कॉरिडोर पहले एक्सेस कंट्रोल्ड था, जिसे नॉन एक्सेस कंट्रोल किया गया है। उन्होंने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के आयोजन के लिए यह मार्ग सोने पर सुहागा जैसा होगा। विश्व स्तरीय सिंहस्थ मेले के दौरान राजस्थान, गुजरात और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट अत्यंत सुगम और सुविधाजनक साबित होगा। उज्जैन क्षेत्र बदल रहा है।

डायबिटीज मरीजों के लिए बड़ी राहत, हफ्ते में सिर्फ एक बार लगेगा इंसुलिन

नई दिल्ली/ जीएनएस। डायबिटीज के मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नोर्डिस्क ने भारत में टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों के लिए सप्ताह में एक बार लगने वाला इंसुलिन इंजेक्शन अवीकली लॉन्च किया है।

कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला बेसल इंसुलिन है, जिसे रोजाना की बजाय सप्ताह में केवल एक बार लेना होता है।

365 के बजाय केवल 52 इंजेक्शन- इस नई थेरेपी से मरीजों को सालभर में 365 के बजाय केवल 52 इंजेक्शन लगाने पड़ेंगे। कंपनी के अनुसार, वैश्विक आनवर्ड्स-1 क्लीनिकल ट्रायल में अवीकली ने रोजाना दिए जाने वाले इंसुलिन ग्लारजीन-यू100 की तुलना में ब्लड शुगर (एचबीए1सी) को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने और ग्लूकोज को सुरक्षित स्तर पर अधिक समय तक बनाए रखने में अच्छे नतीजे दिए।

साथ ही, अधिक मरीज बिना गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर का बहुत कम हो जाना) के लक्ष्य हासिल कर सके।

एएनआइ के अनुसार, नोवो नोर्डिस्क इंडिया के प्रबंध निदेशक विक्रांत श्रोत्रिय ने कहा कि सप्ताह में एक बार इंसुलिन लेने की सुविधा मरीजों में इंजेक्शन का डर, इलाज की जटिलता और नियमित दवा लेने से जुड़ी मानसिक बाधाओं को कम कर सकती है।

कंपनी ने इसके 700 यूनिट पैक की कीमत 2,611 रुपये तय की है, यानी प्रति यूनिट लागत लगभग 3.73 रुपये होगी, जो कई मौजूदा रोजाना इंसुलिन विकल्पों से कम बताई जा रही है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हास्पिटल के वरिष्ठ एंडोक्रिनोलाजिस्ट डॉ. एस.के. वांगनू ने कहा कि रोजाना इंजेक्शन की वजह से कई मरीज इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में देरी करते हैं। ऐसे में सप्ताह में एक बार लगने वाला इंजेक्शन समय पर इलाज शुरू करने और बेहतर शुगर नियंत्रण में मददगार हो सकता है।

भारत में डायबिटीज का बढ़ता बोझ- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 10 करोड़ से अधिक लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जबकि करीब 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की श्रेणी में हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, देश में मरीज औसतन 7 से 9 वर्ष की देरी से इंसुलिन थेरेपी शुरू करते हैं। ऐसे में कम बार दिए जाने वाले और आसान उपचार विकल्प इस देरी को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इंसुलिन वह हार्मोन है जो ग्लूकोज को खून से शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करता है। टाइप-1 और एडवांस्ड टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को ब्लड शुगर नियंत्रित रखने के लिए इंसुलिन की जरूरत पड़ती है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों को एक-एक लाख रुपये देगी योगी सरकार

लखनऊ/ जीएनएस। धर्मार्थ कार्य विभाग ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी करने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए अनुदान प्राप्त करने को आवेदन की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू कर दिया है। योजना के तहत प्रदेश के मूल निवासी तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार की ओर से एक लाख रुपये की अनुदान राशि दी जाती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले प्रदेशवासियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा इस योजना का संचालन किया जा रहा है। विभाग के अनुसार यात्रा पूर्ण करने वाले पात्र तीर्थयात्री यात्रा समाप्त होने की तिथि से 90 दिनों के अंदर धर्मार्थ कार्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट http://www.updhar-marthkarya.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ तीर्थ यात्रियों को अपना पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट व वीजा की प्रति, बैंक खाते का विवरण, कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने का प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक अभिलेख ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। इस साल कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था 15 जून को गाजियाबाद के इंदिरापुरम से रवाना हुआ था और दो जुलाई को यात्रा पूर्ण कर वापस लौट आया।

हैदराबाद में कार रिपेयरिंग की दुकानों में लगी भीषण आग, सात दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली/ जीएनएस। हैदराबाद के चादरघाट इलाके में शुक्रवार को कार रिपेयर की दुकानों में अचानक आग लग गई. इस घटना में लगभग सात दुकानें जलकर खाक हो गई हैं. दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है. इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

हैदराबाद सिटी पुलिस के DCP (साउथ ज़ोन) खरे किरण ने बताया, चादरघाट में मूसी नदी के पीछे आग लगने की घटना हुई है... आग में लगभग सात दुकानें जलकर खाक हो गई हैं।

जिन दुकानों में आग लगी है, उनमें कार रिपेयर की दुकानें और सजावटी सामान बेचने वाली दुकानें शामिल हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मौके पर लगभग सात दमकल गाड़ियां मौजूद हैं। ज़रूरत पड़ने पर हम और दमकल गाड़ियां बुलाएंगे।

एक से ज्यादा शादी करने पर नहीं मिलेगा सरकारी सुविधाओं का लाभ, असम बजट में सख्त नियम वाला प्रस्ताव पेश

गुवाहटी/ जीएनएस। असम सरकार ने इस वर्ष बजट में बहुविवाह के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है। राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने शुक्रवार को अपना पहला बजट पेश करते हुए घोषणा की कि बहुविवाह करने वाले पुरुषों को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।

साथ ही, यदि कोई सरकारी कर्मचारी बहुविवाह का दोषी पाया जाता है, तो उसे सेवा से बर्खास्त किया जा सकेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पात्र लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण, लैंगिक न्याय, ईमानदारी और जिम्मेदार नागरिकता को भी बढ़ावा देना है।

बजट में असम सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1964 में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत बहुविवाह करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें नौकरी से हटाने का प्रविधान किया जाएगा। इसके अलावा, किसी भी आपराधिक कानून के तहत दोषी ठहराए गए व्यक्तियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने पर भी रोक लगाने का प्रस्ताव है।

वित्त मंत्री ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के कारण नियमित बजट पहले पेश नहीं किया जा सका था, इसलिए अगस्त से राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं दोबारा शुरू की जाएंगी। इन योजनाओं के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रविधान किया गया है।

E20 पेट्रोल को लेकर नितिन गडकरी का बड़ा बयान, कहा- सर्विसिंग के दौरान मुफ्त में करा सकेंगे ये काम

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक इंटरव्यू में बताया है कि सरकार ने कार कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे सर्विसिंग के दौरान पुरानी कार के उन पार्ट्स को बदलें जिन्हें E20 से नुकसान हो रहा है। नितिन गडकरी ने कहा, सर्विसिंग के लिए जाने वाली पुरानी कारों में पहले वॉशर मेटल के बने होते थे लेकिन अब ये रबर के बने होते हैं।

हमने वाहन निर्माताओं को निर्देश दिया कि वे सर्विसिंग के दौरान ग्राहकों से बिना किसी एक्सट्रा पैसे लिए इन वॉशर्स को बदलें। मेरी जानकारी में अब तक कोई भी खराबी नहीं आई है।

सोशल मीडिया पर बवाल- हालांकि, उन्होंने कहा है कि, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर गाड़ियों को नुकसान पहुंचने की जो खबरें चल रही हैं उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और वे एक झूठे नैरेटिव का हिस्सा है। इंटरव्यू के दौरान नितिन गडकरी ने कहा, मुझे एक भी ऐसी कार दिखाएं जिसे E20 फ्यूल की वजह से नुकसान हुआ हो। सोशल मीडिया पर जो कुछ भी फैलाया जा रहा है वह एक सोची-समझी झूठी कहानी का हिस्सा है।

आगे गडकरी ने कहा कि, लेकिन माइलेज ड्राइविंग की स्थिति पर भी निर्भर करता है खासकर दिल्ली या मुंबई जैसे शहरों में जहां ड्राइविंग की स्थितियों की वजह से गाड़ियां कम गियर में रहती हैं। ARAI की रिपोर्ट के मुताबिक, जो गाड़ियां खास तौर पर Flex Fuel इंजन के साथ बनाए गए हैं उनमें माइलेज को लेकर कोई समस्या नहीं है। इसलिए हम फ्लेक्स-इंजन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने पर भी काम कर रहे हैं।

फ्लेक्स फ्यूल पर काम- गडकरी ने यह भी कहा कि भारत में कार बनाने वाली एक दर्जन कंपनियां अब Flex मॉडल पर काम कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि ब्राजील 1970 से 27 प्रतिशत Ethanol वाले फ्यूल का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि, हमारा लक्ष्य जनता को विकल्प देना है, अलग-अलग कीमतों पर कई तरह के ब्लेंड्स क्योंकि Ethanol की कीमत लगभग 75 रुपए प्रति लीटर है।

दो तिहाई बहुमत की ओर बढ़ रहा NDA, विरोधियों में फूट से बढ़ी राज्यसभा में ताकत

नई दिल्ली/ जीएनएस। विरोधी दलों में टूट और बिखराव के साथ ही भाजपा की ताकत सदन में बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ समय में ऐसे राजनीतिक घटनाक्रम चले हैं, जिन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संसद के उच्च सदन में भी ताकत को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाया है।

आम आदमी पार्टी में बड़ी टूट के बाद उसके सात सांसद भाजपा में शामिल हुए और अब तृणमूल कांग्रेस से त्याग पत्र देकर भाजपा में शामिल हुए सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक को भी पार्टी ने पश्चिम बंगाल के राज्य सभा उपचुनाव में प्रत्याशी बनाया है। उनकी जीत तय है, जिसके बाद ऐतिहासिक रूप से राजग सदन में दो तिहाई बहुमत की ओर तेजी से बढ़ता दिख रहा है।

राजग राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के करीब- तृणमूल कांग्रेस के राज्य सभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने पिछले दिनों पार्टी की सदस्यता सहित सदन की सदस्यता से भी त्याग-पत्र दिया।

उसके बाद ही यह तीन सीटें रिक्त हो गईं। जैसी कि अटकलें लगाई जा रही थीं, तीनों ने ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और तुरंत ही भाजपा ने उन्हें राज्य सभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार भी बना दिया।

हाल ही में पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त करने वाले भगवा दल के तीनों प्रत्याशियों का जीतना तय है।

इंदौर में 18 जुलाई तक लगेंगे ट्रेड लाइसेंस शिविर, व्यापारी मौके पर करा सकेंगे नया लाइसेंस और नवीनीकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर व्यापारियों की सुविधा के लिए शहर के विभिन्न बाजारों में 18 जुलाई तक ट्रेड लाइसेंस शिविर आयोजित करेगा। इन शिविरों में दुकानदार अपने ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण कराने के साथ ही नया लाइसेंस भी बनवा सकेंगे।

राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार लाइसेंस विभाग द्वारा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि व्यापारियों को निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

शिविरों का आयोजन 10 एवं 11 जुलाई को मूसाखेड़ी, गुजराती कॉलेज, खजूरी बाजार, जीएनटी मार्केट और हेमिल्टन रोड पर किया जाएगा। 13 एवं 14 जुलाई को सांवेर रोड, कपड़ा मार्केट, सपना संगीता, तिलक पथ और इमली बाजार में शिविर लगाए जाएंगे। 15 एवं 16 जुलाई को बंगाली चौराहा, राम मोहल्ला (जवाहर मार्ग), रणजीत हनुमान रोड तथा सिख मोहल्ला और लोधी मोहल्ला में शिविर आयोजित होंगे। वहीं 17 एवं 18 जुलाई को नसिया रोड, सिंधी कॉलोनी, नवलखा रोड और पोलो ग्राउंड क्षेत्र में शिविर लगाए जाएंगे।

नगर निगम ने बताया कि नया ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए संपत्ति कर की रसीद, किरायेदार होने की स्थिति में किरायानामा, दुकान का फोटो, आवेदक का फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा दुकान का बिजली बिल प्रस्तुत करना होगा। वहीं लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए केवल पुराना लाइसेंस या उसकी रसीद ही पर्याप्त होगी। नगर निगम ने सभी दुकानदारों और व्यापारियों से निर्धारित अवधि में शिविरों का लाभ उठाकर अपने ट्रेड लाइसेंस बनवाने या नवीनीकरण कराने की अपील की है। निगम ने स्पष्ट किया है कि सात दिन की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद जिन दुकानों का लाइसेंस नवीनीकृत नहीं होगा अथवा जिनके पास ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में सरदार सरोवर परियोजना में आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री को लेकर बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में सरदार सरोवर परियोजना में विस्थापितों को आवंटित आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री एवं अन्य विषयों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों को आवंटित आवासीय भूखण्डों की रजिस्ट्री कार्यों में तेजी लायी जाये। शिकायत निवारण प्राधिकरण की एकल पीठ एवं युगल पीठ में लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। साथ ही सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने आगे कहा कि सरदार सरोवर परियोजना में धार, बड़वानी, खरगोन और आलीराजपुर जिले के प्रभावित हुए विस्थापितों को बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें। जिसमें सड़क, पानी, बिजली, पंचायत भवन, आँगनवाड़ी, शुद्ध जल आदि शामिल हैं। संभागायुक्त ने कहा कि अधिकारी पुनर्वास स्थलों पर जायें और वहां चल रहे कार्यों की देखें और उसकी सतत मॉनीटरिंग करें। बैठक में सूचना के अधिकार के तहत लंबित प्रकरणों की स्थिति, भूखण्ड पंजीयन, पुनर्वास, सर्विस प्रोवाइडर आदि विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में एनवीडीए के अपर संचालक श्रीमती सपना अनुराग जैन, शिकायत निवारण प्राधिकरण की सचिव श्रीमती सारिका भूरिया, संयुक्त संचालक श्री रजनीश कसेरा सहित विभिन्न विभागों के सहायक संचालक एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक परीक्षा रविवार 12 जुलाई को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 का आयोजन रविवार, 12 जुलाई को किया जाएगा। परीक्षा इंदौर शहर के 13 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 5,710 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में परीक्षा के सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा 6 विषयों - संस्कृत, भूगोल, मनोविज्ञान, विधि, भूगर्भशास्त्र और योगिक विज्ञान के लिए आयोजित की जा रही है। अभ्यर्थियों को केवल ई-प्रवेश पत्र, वैध फोटो पहचान पत्र, निर्धारित स्याही का पेन, पारदर्शी पानी की बोतल तथा प्रवेश पत्र में अनुमत सामग्री ही साथ लाने की अनुमति होगी। दिव्यांग अभ्यर्थी अपनी आवश्यकता अनुसार आयोग द्वारा अनुमत सामग्री साथ ला सकेंगे। परीक्षा केन्द्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट व डिजिटल घड़ी, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव, ईयरफोन तथा अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 जुलाई को बीएसएफ की बुढानिया पहाड़ी पर करेंगे पौधारोपण, कैलाश विजयवर्गीय ने तैयारियों का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत इंदौर में चल रहे 21 लाख पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 जुलाई को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर स्थित बुढानिया पहाड़ी पर वृहद पौधारोपण करेंगे। इस अभियान में शहर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, औद्योगिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को बीएसएफ परिसर स्थित बुढानिया पहाड़ी पहुंचकर आयोजन स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने पौधों की गुणवत्ता, पौधारोपण के लिए तैयार किए गए गड्ढों, सिंचाई व्यवस्था, पौधों के संरक्षण, पहुंच मार्ग, पार्किंग, पेयजल, छायादार व्यवस्था, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के लिए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और समय पर पूरी की जाएं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल को भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों से पौधों के परिवहन, वितरण, रोपण और दीर्घकालीन संरक्षण के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा पौधारोपण के बाद नियमित सिंचाई और निगरानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने और अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

राजेंद्र राठौर ने बताया कि नगर निगम ने बड़े स्तर पर पौधारोपण के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण जनआंदोलन का रूप ले रहा है।

निरीक्षण के दौरान सीमा सुरक्षा बल के कमांडेंट ज्ञानेश्वर खाड़े, नगर निगम के अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कंट्रोल एरिया घोषित होने से इंदौर के मेट्रो रूट के आसपास बनेगी हाईराइज इमारतें, मिल सकेंगे ज्यादा यात्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर मेट्रो के 31 किलोमीटर की प्रस्तावित रिंग के आसपास 500-500 मीटर के क्षेत्र को कंट्रोल एरिया घोषित किया गया है। यह कवायद इस वजह से की जा रही है कि मेट्रो के आसपास सघन बसाहट और यहां ज्यादा आबादी होने से मेट्रो को यात्री भी ज्यादा मिल सकेंगे। कंट्रोल एरिया का अभी प्रारुप जारी हुआ है। 15 दिन में सुनवाई पूर्ण होने के बाद इसकी अधिसूचना जारी होगी। वही अभी शहर के अन्य स्थानों पर फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) जहां 1ः25 होता है। वही मेट्रो रूट के आसपास एफएआर 1ः87 होगा। ऐसे में लोग मेट्रो रूट के आसपास टीडीआर नियमों के तहत जारी डीआरसी (विकास अधिकार प्रमाण पत्र) खरीदकर ऊंजी हाइराइज इमारतों का निर्माण कर सकेंगे। इंदौर शहर में अभी तक करीब 200 लोगों को टीडीआर जारी किए गए है। इनमें से अभी तीन से चार स्थानों पर ही टीडीआर का उपयोग हुआ है।

इंदौर में विकसित कॉलोनियों के भूखंडों पर बनने वाले अपार्टमेंट्स पर भी लगेगा आश्रय एवं विकास शुल्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम ने जनहित, हितग्राहकों के अधिकारों की सुरक्षा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) एवं निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए आवासीय प्रावधानों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित कॉलोनियों के भूखंडों पर बनने वाले अपार्टमेंट, बहु-इकाई और ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स पर भी आश्रय शुल्क और विकास शुल्क लागू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने 30 जून 2026 को आदेश जारी किए हैं।

नगर निगम के अनुसार, यदि किसी पहले से विकसित कॉलोनी के भूखंड पर कॉलोनाइजर या भू-स्वामी आवासीय अथवा गैर-आवासीय प्रयोजन के लिए अपार्टमेंट, बहु-इकाई या ग्रुप हाउसिंग का निर्माण विक्रय अथवा अन्य अंतरण के उद्देश्य से करता है, तो उसे मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 में वर्ष 2021 में किए गए संशोधन और मध्यप्रदेश नगर पालिक (कॉलोनी विकास) नियम, 2021 के तहत कॉलोनी की श्रेणी में माना जाएगा। ऐसे मामलों में कॉलोनी विकास अनुमति लेना तथा नियमानुसार विकास शुल्क और आश्रय शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।

नगर निगम का कहना है कि इन शुल्कों से प्राप्त होने वाला राजस्व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और निम्न आय वर्ग के लिए आवास निर्माण तथा बस्तियों के विकास पर खर्च किया जाएगा। साथ ही इससे फ्लैट और आवास खरीदने वाले नागरिकों के हितों की भी बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश राजपत्र में 1 सितंबर 2021 को प्रकाशित संशोधन के अनुसार कॉलोनी की परिभाषा में ऐसी भूमि भी शामिल है, जिसे भूखंडों में विभाजित कर या उस पर अपार्टमेंट बनाकर विक्रय अथवा अन्य प्रकार से हस्तांतरित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया हो या विकसित किया जा रहा हो। इसी आधार पर विकसित कॉलोनियों के भूखंडों पर बनने वाली बहु-इकाई परियोजनाओं को भी कॉलोनी विकास नियमों के दायरे में लाया गया है।

आयुक्त के आदेश के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में ऐसे सभी अपार्टमेंट, बहु-इकाई और ग्रुप हाउसिंग प्रकरणों में पहले कॉलोनी विकास की अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 2012, इंदौर विकास योजना-2021 तथा अन्य प्रचलित प्रावधानों के तहत भवन निर्माण की अनुमति जारी की जाएगी।

नगर निगम ने यह भी निर्देश दिए हैं कि नियम लागू होने के बाद जारी भवन अनुमतियों की भी समीक्षा की जाएगी। यदि किसी परियोजना में निर्धारित शुल्क कम जमा पाया जाता है तो संबंधित कॉलोनाइजर से अंतर की राशि नियमानुसार वसूल की जाएगी।

नगर निगम का कहना है कि यह व्यवस्था शासन के प्रावधानों के अनुरूप लागू की जा रही है, जिससे कॉलोनी विकास प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी, हितग्राहकों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे और शहर में गरीबों के लिए आवासीय योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स?कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक एक हजार से 25 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए ओ.टी.आर. व फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आवेदन की पात्रता व संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भी उपलब्ध है। ऑनलाईन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करें जो कि स्पष्ट और पठनीय हो। आवेदन करने के पश्चात् अपने विद्यालय/महाविद्यालय में संपर्क स्थापित कर अपने आवेदन को स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ही सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने छह ग्राम पंचायतों को पेयजल टैंकर किए वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज अपने इंदौर स्थित निज निवास कार्यालय पर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए छह ग्राम पंचायतों को लगभग 10 लाख रुपये की लागत के पेयजल टैंकर वितरित किए। इन टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भी आवश्यकतानुसार पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत केलोदहाला, सेमलिया रायमल, खुदेल बुजुर्ग, बिलोदा नायता, पंचोला एवं शाहदा के सरपंचों एवं प्रतिनिधियों को पेयजल टैंकरों की चाबियां सौंपीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्षभर ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रहती है। ऐसे अवसरों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था एक महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त गर्मी के मौसम अथवा अन्य परिस्थितियों में यदि किसी क्षेत्र में पेयजल की आवश्यकता उत्पन्न होती है तो ये टैंकर त्वरित रूप से उपयोग में लाए जा सकेंगे। इससे ग्राम पंचायतों की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा आम नागरिकों को समय पर पेयजल उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

मंत्री श्री सिलावट ने ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे इन टैंकरों का उपयोग पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं जनहित की भावना के साथ करें, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर एवं अधिक सक्षम बनेंगी।

रतलाम रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल में बना 30 किलोवाट का सोलर कारपोर्ट, हरित ऊर्जा की दिशा में नई पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल, रतलाम में स्थापित 30 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का पुनर्स्थापन कर उसे सोलर कारपोर्ट के रूप में विकसित किया है। इस परियोजना का लोकार्पण मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने अपर मंडल रेल प्रबंधक और मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

यह सौर ऊर्जा संयंत्र पहले विद्यालय भवन की छत पर स्थापित था, लेकिन विद्यालय के नवीनीकरण और पुनर्विकास कार्य के चलते छत खाली करना आवश्यक हो गया। ऐसे में रतलाम मंडल के विद्युत विभाग ने संयंत्र को हटाने के बजाय उसका नए स्वरूप में उपयोग करने का निर्णय लिया और इसे सोलर कारपोर्ट के रूप में पुनः स्थापित किया।

सोलर कारपोर्ट ऐसी संरचना होती है, जिसमें वाहन पार्किंग के ऊपर सौर पैनल लगाए जाते हैं। इससे एक ओर स्वच्छ बिजली का उत्पादन होता है तो दूसरी ओर पार्क किए गए वाहनों को छाया भी मिलती है। इस व्यवस्था से उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग हुआ है, पहले से स्थापित सौर संयंत्र का पुनः उपयोग संभव हुआ है तथा अतिरिक्त पार्किंग सुविधा भी विकसित हुई है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि यह रतलाम मंडल की अपनी तरह की पहली पायलट परियोजना है। यदि यह मॉडल सफल रहता है तो भविष्य में ऐसे रेलवे परिसरों में भी इसे अपनाया जाएगा, जहां भवनों के पुनर्विकास या सीमित छत उपलब्ध होने के कारण पारंपरिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करना संभव नहीं होता।

लोकार्पण के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा उत्पादन और पार्किंग सुविधा को एक साथ जोड़ने की यह अवधारणा संसाधनों के बेहतर उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर लेफ्टिनेंट डी.के. प्रजापति सहित इस परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी।

अधिकारियों ने इस पहल को भारतीय रेल में नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना है कि 30 किलोवाट क्षमता का यह सोलर कारपोर्ट पश्चिम रेलवे की हरित ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और सतत रेलवे अवसंरचना विकसित करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। साथ ही यह परियोजना भविष्य में अन्य रेलवे मंडलों और सरकारी संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणादायी मॉडल साबित हो सकती है।

दस्तावेजों की बाधा दूर, शिक्षा का खुला रास्ताः कलेक्टर शिवम वर्मा ने देवनगरी बस्ती के बच्चों का कराया स्कूल प्रवेश

जन्म प्रमाण पत्र, समग्र आईडी और आधार कार्ड बनने से 40 से अधिक बच्चों के भविष्य को मिली नई दिशा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर एयरपोर्ट रोड स्थित देवनगरी बस्ती के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को भावनात्मक और प्रेरणादायी माहौल देखने को मिला। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा बच्चों के बीच पहुंचे और जमीन पर बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुछ समय पूर्व देवनगरी बस्ती के बच्चे अपने अभिभावकों एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोहित सिंह चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर श्री वर्मा को बताया था कि जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण उनके समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नहीं बन पा रहे हैं। दस्तावेजों के अभाव में बच्चों का स्कूल में प्रवेश भी प्रभावित हो रहा था। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद देवनगरी बस्ती में विशेष अभियान चलाया गया। शासकीय प्राथमिक विद्यालय में दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित कर उन बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए, जिनका जन्म घर पर होने के कारण नगर निगम के अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाया था। जन्म प्रमाण पत्र बनने के बाद बच्चों के समग्र आईडी, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी तैयार किए गए। इस पहल से 40 से अधिक बच्चों के शिक्षा और भविष्य का रास्ता आसान हो गया।

शुक्रवार को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा स्वयं विद्यालय पहुंचे और इन बच्चों का विधिवत स्कूल प्रवेश कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल दस्तावेजों के अभाव में बाधित नहीं होने दी जाएगी। यदि इस प्रकार के अन्य मामले भी सामने आते हैं तो प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ आवश्यक दस्तावेज तैयार कराएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री वर्मा ने विद्यालय का निरीक्षण किया, बच्चों के साथ कक्षाओं का भ्रमण किया तथा उन्हें खेल सामग्री वितरित की। उन्होंने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इंदौर में 110 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ मंदसौर का ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 11 लाख की मादक पदार्थ जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की थाना खजराना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मंदसौर निवासी एक ड्रग तस्कर को 110 ग्राम से अधिक ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 11 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधियों के विरुद्ध पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त आशीष पटेल तथा थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम खजराना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश कर रही थी। इस दौरान बायपास स्थित वाघेला गार्डन के पास एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके पास से 110 ग्राम से अधिक ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान रामकिशन उर्फ रामनिवास गिरी (28) पिता रघु गोस्वामी, निवासी ग्राम काटिया, थाना सुवासरा, जिला मंदसौर के रूप में बताई। आरोपी आठवीं तक पढ़ा-लिखा है और खेतीबाड़ी का कार्य करता है। पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने तथा जल्दी पैसे कमाने के उद्देश्य से मंदसौर के कोटड़ी क्षेत्र से ब्राउन शुगर लाकर उसकी सप्लाई करता था।

थाना खजराना में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 547/26 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से रिमांड पर पूछताछ कर ब्राउन शुगर के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट रोड़ से ट्रेंचिंग ग्राउंड हटाने की मांग को लेकर लोकोपयोगी सेवाओ में नपा सीएमओ के खिलाफ याचिका प्रस्तुत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला न्यायालय एवं पशुपतिनाथजी मन्दिर रोड़ पर पुलिया के पास मछली मार्केट के सामने नगर पालिका परिषद मन्दसौर द्वारा बनाये गए ट्रेंचिंग ग्राउंड का मामला शुक्रवार को लोकोपयोगी सेवाओ की स्थाई लोक अदालत मंदसौर में पहुंचा है। अभिभाषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने वरिष्ठ अभिभाषक रघुवीरसिंह पंवार एवं पुखराज दशोरा के साथ न्यायालय में उपस्थित होकर एक प्रार्थना पत्र अंतर्गत विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 अध्याय-6-ए अंतर्गत याचिका प्रधान न्यायाधीश लोकोपयोगी सेवाओ की स्थाई लोक अदालत मंदसौर के समक्ष प्रस्तुत की गई है। जिसे न्यायालय द्वारा सुनवाई हेतु स्वीकार किया गया है और अब सीएमओ नगर पालिका परिषद मन्दसौर को नोटिस के माध्यम से तालब किया जायेगा।

याचिका में प्रार्थी द्वारा बताया गया है की वह मंदसौर का स्थाई निवासी होकर वकालात का व्यवसाय करता है, उसे नियमित रूप से मंदसौर जिला न्यायालय आना जाना रहता है तथा बड़ी संख्या मे उसके पक्षकारगण भी जिला न्यायालय में आते जाते है तथा बड़ी संख्या में अभिभाषकगण एंव माननीय न्यायाधीशगण एवं अन्य पक्षकारगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण आते जाते रहते है। जबकि विपक्षी मंदसौर नगरपालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी होकर नगर की व्यवस्थाओ के लिये जिम्मेदार अधिकारी है। याचिकाकर्ता ने लिखा है कि अम्बेडकर चौराहा से न्यायालय जाने वाला मार्ग जो कि भगवान पशुपतिनाथ मंदिर तक जाता है उक्त मार्ग से हजारो लोग रोज न्यायालय मे आते है एवं भगवान पशुपतिनाथ मंदिर मे आते जाते है जो कि उक्त मार्ग पर चारो तरफ भारी गंदगी फैली हुई है। विपक्षी के अधिन विभाग द्वारा उपरोक्त रोड़ पर पुलिया के पास मछली मार्केट के सामने अस्थाई ट्रेंचिंग ग्राउण्ड (गंदगी व कुड़ा कचरा फैकने का स्थान) बना रखा है जहा पर बड़ी तादाद मे पुरे मंदसौर शहर का गंदा कचरा इकठ्ठा कर डाला जाता है जिसे बाद में उठाकर मुख्य ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर भेजा जाता है। इस स्थान पर गंदगी व कचरा खाली करते समय व भरते समय मुख्य मार्ग पर भी गंदगी फैल जाती है जिसके कारण समुचे मार्ग पर बहुत गंदी बदबु फैली हुई है। राहगिरो को पैदल व दो पहिया वाहन से निकलना भारी मुश्किल होता है। यहा पर गंदगी में बड़ी संख्या मे श्वान घुमते रहते है जो कि अचानक दोड़कर सड़क पर आ जाते है जिससे कई बार दुर्घटनाए हो रही है। विपक्षी द्वारा याचिकाकर्ता के बार बार शिकायत करने पर भी कोई भी कार्यवाही नही की जा रही है। जिस कारण आम जन के साथ इस मार्ग से गुजरने वाले प्रत्येक राहगीर को भारी आक्रोश उत्पन्न हो रहा है। क्योंकि इस अव्यवस्था के कारण भविष्य मे कोई गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती है। जिस कारण भी श्रीमान न्यायालय के समक्ष यह आवेदन पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक हुआ है। अस्थाई ट्रेंचिंग ग्राउण्ड को तत्काल हटाया जावे तथा उसके समीप गंदगी से भरे हुए नाले की तत्काल सफाई कराने के आदेश विपक्षी को प्रदान किये जाने की कृपा हो। याचिका में नपा सीएमओ को नोटिश जारी किया जायेगा, उसके बाद उनका जवाब प्रस्तुत होने पर आगे की सुनवाई होगी।

हज़रत मौला अली की याद में सजा जश्न-ए-मौला अली, हम्द, नात और मनक़बत से महका रूहानी माहौल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग़रीबों, यतीमों और ज़रूरतमंदों की गुप्त रूप से सहायता करने वाले, न्याय करते समय मित्र और शत्रु में कभी भेदभाव न करने वाले, हज़रत इमाम हसन व हुसैन के पिता तथा शेर-ए-ख़ुदा के नाम से विख्यात हज़रत मौला अली की याद में जश्न-ए-मौलाअली नातिया मुशायरे का आयोजन हज़रत बख़ूशू सैयद रहमतुल्लाह अलैह के आस्ताने (खानपुरा) पर अक़ीदत और एहतराम के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाजी मौलाना बाबू भाई ने अपने संबोधन में कहा कि मौला अली फ़रमाते थे कि लोगों के साथ वैसा व्यवहार करो जैसा तुम अपने लिए पसंद करते हो। उन्होंने कहा कि मौला अली का जीवन इंसाफ़, इल्म, इंसानियत और रहमत का बेहतरीन नमूना है। कार्यक्रम का शुभारंभ हाजी सत्तार साहब एवं हाजी आबिद साहब ने हम्द पेश कर किया, जिसे समाअीन ने दुआओं और दाद से नवाज़ा। शायर असअद अंसारी ने हम्द पेश करते हुए पढ़ा-अपने मालिक का सब नाम लेकर, ब-ख़ुशी बज़्म की इब्तिदा कीजिए। मालिक-ए-दो जहाँ है, आबरू उसकी, हम्द-ओ-सना कीजिए। इस कलाम को श्रोताओं ने दिल खोलकर दाद दी।नीमच के प्रसिद्ध गायक मास्टर सलीम ने तरन्नुम में नात-ए-पाक पेश कर पूरे माहौल को रूहानियत से सराबोर कर दिया। इसके बाद हाजी याहया कुरैशी, हाजी रहीम बैग, हाजी मुन्ना भाई, ग़फ़्फ़ार पहलवान, मोहम्मद भाई तथा मास्टर ग़ुलाम हुसैन ने यादगार नात-ए-पाक पेश कीं। वहीं मास्टर नासिर शाह एवं महबूब पेंटर ने मनक़बत प्रस्तुत कर महफ़िल को चार चाँद लगा दिए। मुशायरे की अध्यक्षता जनाब सरवर ख़ान साहब ने की। जनाब हाजी महमूद भाई ने आक़ा की आमद पर आधारित सलाम पेश किया। अंत में साबिर मौलाना साहब ने मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे और खुशहाली की दुआ कराई। समापन पर मज़हर नागोरी द्वारा सभी हाज़रीन-ए-जलसा में तबर्रुक वितरित किया गया।

अध्यक्ष विहीन मंदसौर कृषि मंडीः बड़े फैसले लटके, किसान-व्यापारी, हम्माल परेशान

मुल्तानी गैंग के विरोध में व्यापारियों ने सोयाबीन नीलामी रोकी, दोपहर में नीलामी शुरू हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की आदर्श मंडी में शुमार कृषि उपज मंडी मंदसौर पिछले कई सालों से अध्यक्ष विहीन चल रही है। अध्यक्ष पद खाली होने से मंडी के विकास और विवाद निपटारे के काम ठप पड़े हैं। अभी सारा काम प्रशासक और सचिव के भरोसे चल रहा है। मंडी सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष न होने से सुरक्षा और नीलामी नियमों में बदलाव जैसे अहम फैसले अटक गए हैं। गुरुवार जहां एक हम्माल मंडी परिसर में टंकी पर चढ़ गया था, जिससे भी मंडी में हंगामा होता रहा। हम्माल यूनियन के चुनाव भी नहीं हो पाए हैं। केवल व्यापारी संघ के चुनाव हुए हैं, जिसमें पप्पू जैन लदूना अध्यक्ष निर्वाचित हैं। हाल ही में मुल्लानी गैंग विवाद के चलते धमकी मिलने पर शुक्रवार को व्यापारियों ने सोयाबीन की नीलामी रोक दी थी। उस समय बीच-बचाव के लिए कोई चुना हुआ प्रतिनिधि मंडी में नहीं था। इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ा। घंटों इंतजार के बाद दोपहर में नीलामी शुरू हुई। बता दें कि कृषि उपज मंडी एक्ट के तहत अध्यक्ष ही किसानों और व्यापारियों की समस्याएं शासन तक पहुंचाता है। अध्यक्ष विहीन मंडी से जवाबदेही कम हुई है और मंडी की छवि पर असर पड़ रहा है। आए दिन गुटीय राजनीति का पगफेरा भी होता जा रहा है।

मंडी भ्रष्टाचार, चोरी, अनियमितताओं और अव्यवस्थाओं का केंद्र बनती जा रही हैः महेन्द्र गुर्जर- जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की आदर्श कही जाने वाली मंदसौर कृषि उपज मंडी में भ्रष्टाचार, चोरिया, अनियमितताओं तथा अव्यवस्थाओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। किसानों और व्यापारियों, श्रमिकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराने में मंडी प्रशासन पूरी तरह विफल नजर आ रहा है। गुर्जर ने कहा कि मंडी परिसर में आए दिन चोरी की घटनाओं की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे किसानों और व्यापारियों में असुरक्षा का वातावरण है। इसके साथ ही मंडी के विभिन्न कार्यों में कथित अनियमितताओं, पारदर्शिता के अभाव तथा भ्रष्टाचार के आरोप भी लगातार उठ रहे हैं। यदि इन शिकायतों में सच्चाई है, तो यह किसानों की मेहनत की कमाई और मंडी की साख दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि मंडी में हुई चोरी की घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही मंडी के वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्यों, खरीदी-बिक्री व्यवस्था, ठेकों तथा अन्य शिकायतों की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि यदि कहीं भ्रष्टाचार या अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। यदि मंडी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा अनियमितताओं को समाप्त करने के लिए शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

परम पूज्य कैलाशानंद जी महाराज का भव्य स्वागत, विधायक दिलीप सिंह परिहार ने लिया आशीर्वाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच हवाई पट्टी पर परम पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंद जी महाराज के आगमन पर श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने आत्मीय भाव से गुरुदेव का स्वागत एवं अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वागत के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संतजन एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुष्पमालाओं और जयघोष के बीच गुरुदेव का भव्य स्वागत किया गया। पूरे परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव का सान्निध्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। उनके विचार समाज को सेवा, संस्कार, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संतों का आशीर्वाद समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि गुरुदेव के स्वागत और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने परम पूज्य महाराज के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए समाज के कल्याण हेतु उनके सतत मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी गुरुदेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और सनातन संस्कृति के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

नरोत्तम मिश्रा की चुनावी लालसा पर फिरा पानी, दतिया उपचुनाव में भाजपा का बड़ा उलटफेरः पूर्व गृहमंत्री का टिकट कटा, आशुतोष तिवारी बने उम्मीदवार; राजनीतिक गलियारों में खलबली

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में शुमार दतिया विधानसभा उप-चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व ने एक बार फिर चौंकाने वाला फैसला लिया है? भाजपा केंद्रीय कार्यालय द्वारा 10 जुलाई 2026 को जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दतिया विधानसभा उपचुनाव (सीट क्रमांक-22) के लिए आशुतोष तिवारी को पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया गया है।

इस घोषणा के साथ ही क्षेत्र के कद्दावर नेता और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की उपचुनाव लड़कर मुख्यधारा की राजनीति में वापसी की लालसा को बड़ा झटका लगा है। नरोत्तम मिश्रा, जो हाल ही में नामांकन पत्र खरीदकर चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर चुके थे, उन्हें दरकिनार कर पार्टी ने संगठन के पुराने चेहरे आशुतोष तिवारी पर भरोसा जताया है।

नरोत्तम मिश्रा की चुनावी लालसा और तैयारियों पर फिरा पानी- साल 2023 के मुख्य विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद से ही नरोत्तम मिश्रा दतिया में लगातार सक्रिय थे और इस उपचुनाव को अपनी सियासी वापसी के बड़े मौके के रूप में देख रहे थे।

नामांकन की थी तैयारीः राजनीतिक सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को ही उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र (नॉमिनेशन फॉर्म) खरीद लिया था और शुक्रवार को वे अपना पर्चा दाखिल करने वाले थे।

अचानक बदला समीकरणः ऐन वक्त पर केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा आशुतोष तिवारी का नाम फाइनल किए जाने से नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों में मायूसी छा गई है।

टिकट कटने के पीछे के 3 बड़े कारण- राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा हाईकमान द्वारा नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटने के पीछे निम्नलिखित रणनीतिक कारण माने जा रहे हैंः

2023 की हार का घाव और सर्वे रिपोर्टः पार्टी नेतृत्व साल 2023 के चुनाव में मिली हार को भूला नहीं है? आंतरिक सर्वे रिपोर्टों में यह बात सामने आई थी कि नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ स्थानीय स्तर पर एंटी-इंकंबेंसी (सत्तारूढ़ विरोधी लहर) का असर अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, जिसके चलते पार्टी कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थी।

नए नेतृत्व और संगठन को तरजीहः भाजपा इस समय मध्य प्रदेश सहित देश भर में पीढ़ीगत बदलाव और नए चेहरों को आगे बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। आशुतोष तिवारी भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रह चुके हैं और मध्य Pradesh हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन के रूप में उनकी छवि साफ-सुथरी और एक कर्मठ कार्यकर्ता की रही है।

कांग्रेस के गढ़ में %लोकल% कार्डः नरोत्तम मिश्रा को भारी नेता के रूप में घेरे जाने की रणनीति से बचने के लिए भी पार्टी ने दतिया क्षेत्र में अच्छी पकड़ रखने वाले स्थानीय और सांगठनिक चेहरे को तरजीह दी है।

क्यों हो रहा है दतिया में उपचुनाव?

दतिया की यह विधानसभा सीट कांग्रेस के विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द होने के कारण खाली हुई है? साल 2023 के विधानसभा चुनाव में राजेंद्र भारती ने तत्कालीन गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को 7,742 वोटों के अंतर से शिकस्त दी थी।

लेकिन, अप्रैल 2026 में दिल्ली की एक विशेष अदालत ने राजेंद्र भारती को कोऑपरेटिव बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक पुराने आपराधिक मामले में 3 साल की कैद की सजा सुना दी। नियमों के मुताबिक, सजा का ऐलान होते ही विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी, जिसके कारण निर्वाचन आयोग को यहां 30 जुलाई 2026 को उपचुनाव कराने का फैसला लेना पड़ा। आज ही मध्य प्रदेश के दतिया से पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने बैंक फ्रॉड मामले में उनकी अपील खारिज कर दी और दोषसिद्धि को चुनौती देने की मांग पर राहत नहीं दी। इस मामले में उन्हें पहले ही 3 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसके बाद उनकी विधायकी भी चली गई थी।

कौन हैं भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी?

आशुतोष तिवारी मध्य प्रदेश भाजपा का एक जाना-माना सांगठनिक चेहरा हैं। वे पूर्व में संभागीय संगठन मंत्री के रूप में जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत कर चुके हैं। इसके अलावा वे मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। साल 2023 के आम चुनाव में भी उन्होंने दतिया से अपनी दावेदारी पेश की थी, लेकिन तब पार्टी ने नरोत्तम मिश्रा को ही मैदान में उतारा था। इस बार संगठन ने उनकी पुरानी मेहनत का इनाम देते हुए उन्हें दतिया के इस बड़े सियासी दंगल में उतारा है।

भाजपा द्वारा आशुतोष तिवारी के नाम के ऐलान के बाद अब दतिया का यह मुकाबला बेहद रोचक हो गया है अब देखना यह होगा कि कांग्रेस इस सीट को बचाने के लिए राजेंद्र भारती के किसी करीबी या किस नए चेहरे पर दांव खेलती है। दतिया में 30 जुलाई को मतदान होना है और 3 अगस्त को मतगणना के बाद ही साफ होगा कि दतिया का नया सरताज कौन बनेगा।

अफजलपुर पुलिस ने चोरी की बाइक पकड़ी, लेकिन चोर गच्चा देकर भागा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के नेतृत्व में वाहन चेकिंग के दौरान चोरी गयी मोटरसायकल को बरामद किया गया है, लेकिन चोर गच्चा देकर भाग निकला है, जिसे खोजा गया, लेकिन विफलता रही।

घटना अनुसार दिनांक 02 जुलाई को फरियादी सत्यनारायण पिता जुझारलाल द्वारा अपनी मोटरसायकल क्रमांक एमपी14 जेडजे 2216 को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी करने की रिपोर्ट की, जिस पर केस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रतिदिन अलग अलग स्थानो पर वाहन चेकिंग की जाती है। वाहन चेकिंग के दोरान थाना अफजलपुर पुलिस टिम द्वारा एक बिना नम्बर मोटरसायकल चालक को संदेह के आधार पर रोकते मोटरसायकल पलटाकर भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा करने पर चालक बाइक छोडकर झाड़ियों में भाग गया। तलाश करने पर नही मिला। क्षेत्र मादक पदार्थ तस्करी का होने से वाहन की तलाश कर वाहन के चैचिस नम्बर व इंजन नम्बर से चेक करते थाना अफजलपुर के अपराध में चोरी गयी मोटरसायकल ज्ञात हुई।

श्रीगंगानगर की पीड़ित बालिका को न्याय दिलाने हेतु मंदसौर में सर्व समाज का आक्रोश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक नाबालिग बालिका के साथ हुई जघन्य एवं हृदयविदारक घटना से पूरे देश में आक्रोश और चिंता का वातावरण है। इस अमानवीय घटना के विरोध में मंदसौर में सर्व समाज, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सेवा, व्यापारिक एवं नागरिक संगठनों द्वारा एकजुट होकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।

विश्वपति शिवालय, गांधी चौराहा पर आयोजित सर्वसमाज की सभा में उपस्थित विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता को शर्मसार करने वाला अपराध बताया। सभी ने पीड़ित बालिका के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, न्याय एवं उसके परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए देशभर में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प लिया। इसके उपरांत महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं एसडीएम शिवलाल शाक्य को सौंपा गया।

वक्ताओं ने कहा कि यह किसी एक राज्य अथवा एक परिवार का विषय नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र की अस्मिता, नारी सम्मान एवं प्रत्येक बेटी की सुरक्षा से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने कहा कि जब तक देश की प्रत्येक बेटी सुरक्षित नहीं होगी, तब तक समाज स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित नहीं मान सकता। सभी ने शासन एवं प्रशासन से इस प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर दोषियों को शीघ्र कठोरतम दंड दिलाने की मांग की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने अपने-अपने लेटरपैड पर पृथक-पृथक ज्ञापन प्रस्तुत कर घटना के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया तथा पीड़ित बालिका को न्याय दिलाने के लिए एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि देश की प्रत्येक बेटी की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के लिए समाज सदैव संगठित रहेगा तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के खिलाफ वैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से निरंतर जनजागरण और संघर्ष जारी रखा जाएगा।

जनसुनवाई के आवेदनों का मौके पर पहुंचकर किया जा रहा समाधान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार राजस्व अमला संबंधित विभागों के समन्वय से मौके पर पहुंचकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है। इसी क्रम में गत मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में बिसलवास खुर्द निवासी द्वारा शासकीय बंद नाले को खुलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को पटवारी हल्का क्रमांक-5, बिसलवास खुर्द में राजस्व अमले की उपस्थिति में जेसीबी मशीन के माध्यम से शासकीय नाले को खुलवाकर जल निकासी की समस्या का समाधान कराया गया। इसी प्रकार ग्राम गुलाबखेड़ी, पटवारी हल्का क्रमांक-41 में पानी निकासी संबंधी आवेदन प्राप्त हुआ था।

नीमच में आस्था का भव्य स्वागत- समाजसेवी संतोष चोपड़ा परिवार के सानिध्य में पहुंचे आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद जी महाराज,11 को होगी विराट धर्मसभा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 11 जुलाई को दशहरा मैदान स्थित टाउन हॉल में आयोजित होने वाली विराट धर्मसभा से पूर्व शुक्रवार को आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज विशेष चार्टर्ड विमान से नीमच पहुंचे। हेलीपेड पर उनके आगमन के साथ ही श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। समाजसेवी संतोष चोपड़ा एवं चोपड़ा परिवार ने श्रद्धापूर्वक पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा, गौरव चोपड़ा सहित चोपड़ा परिवार के सदस्यों ने भी महाराज श्री का अभिनंदन करते हुए आयोजन की सफलता का संकल्प व्यक्त किया।हेलीपेड पर स्वागत के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। गरोठ विधायक चंदर सिंह सिसोदिया, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश भारद्वाज, समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं धर्मप्रेमियों ने भी महाराज श्री का स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया।आगमन के बाद स्वामी कैलाशानंद जी महाराज की भव्य अभिनंदन यात्रा हेलीपेड से शहर के प्रमुख मार्गों से होकर समाजसेवी संतोष चोपड़ा के निवास तक निकाली गई।यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा, स्वागत द्वार और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने महाराज श्री के दर्शन किए। पूरे मार्ग पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने से शहर धार्मिक रंग में रंगा नजर आया।आयोजन समिति के अनुसार शनिवार, 11 जुलाई को प्रातः 11ः15 बजे से दोपहर 2ः15 बजे तक दशहरा मैदान स्थित टाउन हॉल में एक दिवसीय विशाल धर्मसभा आयोजित होगी। धर्मसभा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज अपने ओजस्वी एवं आध्यात्मिक प्रवचनों से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। आयोजन में देशभर से संत-महात्मा, उद्योगपति, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।धर्मसभा को लेकर शहरभर में विशेष तैयारियां की गई हैं। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने,पेयजल, सुरक्षा,पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शहर के प्रमुख मार्गों को आकर्षक सजावट,स्वागत द्वारों और धार्मिक ध्वजों से सजाया गया है।आयोजकों ने बताया कि समाजसेवी संतोष चोपड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा, गौरव चोपड़ा एवं संपूर्ण चोपड़ा परिवार इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।श्रद्धालुओं के स्वागत, व्यवस्थाओं और सेवा कार्यों में परिवार का विशेष योगदान रहा है। उनका कहना है कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नीमच की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाई देने वाला ऐतिहासिक अवसर साबित होगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

सातवा एवं आठवा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संघारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2024_UAD_388143_7	2.10	वार्ड क्रं. 30 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन एवं हेण्डपंप स्थापना कार्य।	308842/-	6200/-	2000/-	01 माह	17.07.2026	17.07.2026
2024_UAD_400062_8	2.10	वार्ड क्रं. 14 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन कार्य।	377054/-	7600/-	2000/-	01 माह	17.07.2026	17.07.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

सम्पादकीय

बच्चों की चहकती ज़िंदगी पर पड़ रहा विकास का काला साया

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा।

कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा–बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है।

बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है।

सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है। टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में पार्क पुनर्जागरण मिशन के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सामाजिक ऑडिट और वित्तीय पारदर्शिता से सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों का बजट कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखे। विकास की हर योजना में बच्चों का खेल क्षेत्र अंतिम नहीं, पहला अधिकार होना चाहिए। सरकारें अकेले बचपन नहीं बचा सकतीं; समाज को भी आगे आना होगा। किसी मोहल्ले का पार्क तभी जीवित रहता है, जब लोग उसे अपना मानें। स्थानीय निवासी, स्वयंसेवी संस्थाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा मिलकर पार्कों को गोद लें, स्वच्छता, वृक्षारोपण और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा व्यवस्था भी सहभागी बने। विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह पार्क डे हो, जहां बच्चे खेल के साथ प्रकृति को समझें, पर्यावरण संरक्षण सीखें और खुली हवा में सामूहिक गतिविधियों का अनुभव करें। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल कोचिंग, अंक और डिजिटल उपकरणों से नहीं, बल्कि खुले मैदान, मिट्टी की सोंधी खुशबू और प्रकृति के सान्निध्य से भी होता है।

दान, धर्म व आत्मज्ञान सहजयोग व भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

भारतीय संस्कृति में दृढ़ विश्वास ही सहजयोग में आध्यात्मिक उन्नति का आधार है। परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग की स्थापना के प्रारंभ से ही स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि सहजयोग का मूल आधार सनातन भारतीय संस्कृति है। सहजयोग केवल आत्मसाक्षात्कार की साधना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का सशक्त माध्यम है। जो साधक भारतीय संस्कृति के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं दृढ़ विश्वास विकसित करता है, वही सहजयोग में वास्तविक आध्यात्मिक उत्क्रांति का अनुभव कर सकता है।

श्री माताजी ने साथ ही यह भी सावधान किया कि प्रत्येक सभ्यता की भाँति भारतीय समाज में भी समय के साथ धर्म के मूल स्वरूप में अनेक कुरीतियाँ, अंधविश्वास तथा बाह्य आडंबर सम्मिलित हो गए हैं। शुद्ध ज्ञान के अभाव में मनुष्य इन बाह्य परंपराओं को ही धर्म का वास्तविक स्वरूप मान बैठता है। किंतु कुंडलिनी जागरण के पश्चात प्राप्त आत्मसाक्षात्कार साधक को वह शुद्ध विवेक प्रदान करता है, जिससे वह धर्म के वास्तविक तत्व को सहज ही पहचान लेता है।

भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च आदर्शों में दानधर्म का विशेष स्थान है। हमारे देश में दान केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। प्रथम ग्रास गौमाता को अर्पित करने से लेकर अंतिम ग्रास श्वान को देने तक तथा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को पर्व-त्योहारों पर प्रेमपूर्वक अन्न, वस्त्र एवं मिष्ठान प्रदान करने की परंपरा भारतीय जीवन-दर्शन की करुणा, संवेदना और समरसता का अद्भुत उदाहरण है।

भारतीय इतिहास राजा हरिश्चंद्र, राजा शिवि, महर्षि दधीचि तथा दानवीर कर्ण जैसे असंख्य महान विभूतियों के त्याग और दान से गौरवान्वित है। इसी प्रकार भारत के राजदरबार सदैव कलाकारों, विद्वानों, ऋषियों एवं ज्ञानपरंपरा के संरक्षकों के सम्मान और संरक्षण के केंद्र रहे हैं। यही हमारी संस्कृति की उदारता और लोककल्याणकारी दृष्टि का प्रमाण है।

श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में धन के वास्तविक उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा है– आशीर्वाद के रूप में जो धन मनुष्य को प्राप्त होता है, वह उदारतापूर्वक सृजनात्मक कलाकारों, लेखकों, कवियों की कला के संरक्षण तथा जरूरतमंद लोगों की वास्तविक सहायता करके आनंद प्राप्त करने के लिए होता है।

इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए 15 मार्च 1984 को दिल्ली में दिए गए अपने प्रवचन में श्री माताजी ने कहा- सोचना चाहिए, पैसा जो है परमात्मा ने हमारे लिए दान के लिए दिया है। हम बीच में केवल एक माध्यम बने खड़े हैं। इसका जो शुभ कर्म हो सकता है, वह करना है और इससे जितने लोगों की सहायता हो सकती है, वह करनी चाहिए तथा सदैव सन्मार्ग पर चलना चाहिए।

सहजयोग की विशेषता केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामूहिक चेतना और विश्वकल्याण का मार्ग भी है। सहजयोगी विश्व निर्मला धर्म का अभिन्न अंग तथा परमात्मा के कार्य का माध्यम हैं। अतः संपूर्ण विश्व हमारा कर्मक्षेत्र है और प्रत्येक साधक का दायित्व है कि वह उदारता, करुणा एवं प्रेम के साथ मानवता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहे।

हर बच्चा भविष्य का पृष्ठ : लेकिन हम पन्ने भर रहे हैं या लिख रहे हैं?

हर जन्म नई संभावना लेकर आता है, लेकिन हर संभावना उपलब्धि में नहीं बदलती। यही प्रश्न विश्व जनसंख्या दिवस हमारे सामने खड़ा करता है। किसी भी राष्ट्र का भविष्य जनगणना की तालिकाओं में नहीं, बल्कि उन चेहरों में लिखा होता है जिन्हें हम अक्सर केवल संख्या मान लेते हैं। एक नवजात शिशु किसी परिवार का नया सदस्य भर नहीं, बल्कि देश के भविष्य का पहला पृष्ठ होता है। विडंबना यह है कि उस पृष्ठ पर भविष्य लिखने की तैयारी किए बिना हम हर वर्ष नई प्रतियां जोड़ते जा रहे हैं। इसलिए सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि भारत में कितने लोग हैं, बल्कि यह है कि उनमें कितनी संभावनाओं को अवसर मिला और कितनों को परिस्थितियों के भरोसे छोड़ दिया।

आज भारत 1.47 अरब से अधिक लोगों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा जनसमूह है। इसे केवल भीड़ कहना उतनी ही बड़ी भूल होगी, जितनी बिना तैयारी के इसे शक्ति मान लेना। संख्या न वरदान है, न अभिशाप; वह केवल संभावनाओं का भंडार है, जिसका मूल्य इस बात से तय होता है कि राष्ट्र उसकी ऊर्जा को किस दिशा में ले जाता है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। अनेक विकसित देश घटती जन्म दर और वृद्ध होती आबादी की चुनौती से जूझ रहे हैं, जबकि हमारे पास युवा शक्ति का अवसर है, जो इतिहास बार-बार नहीं देता। किंतु अवसर तभी उपलब्धि बनता है, जब उसके पीछे दूरदर्शी व्यवस्था हो। केवल युवाओं की संख्या से राष्ट्र समृद्ध नहीं होता; शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार का सुदृढ़ आधार भी उतना ही आवश्यक है।

यहीं सबसे बड़ी विडंबना है। युवाओं की ऊर्जा प्रचुर है, लेकिन उसे दिशा देने वाली व्यवस्था अब भी अपेक्षाओं से पीछे है। शिक्षा डिग्री दे रही है, दक्षता नहीं; स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं, पर समान नहीं; रोजगार की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अवसर उसी गति से नहीं। परिणामस्वरूप युवा निराशा, असुरक्षा और दिशाहीनता के बीच अपने महत्वपूर्ण वर्ष गंवा देते हैं। यह केवल व्यक्तिगत नहीं, राष्ट्रीय हानि है। जिस ऊर्जा से नवाचार, अनुसंधान, उद्योग और सामाजिक परिवर्तन संभव थे, वही बेरोजगारी, पलायन और असंतोष में बदल जाती है। जनसंख्या का वास्तविक संकट यहीं से प्रारंभ होता है।

अब समय है कि बहस जनसंख्या नियंत्रण से आगे बढ़कर जनसंख्या की गुणवत्ता पर केंद्रित हो। किसी बच्चे का जन्म केवल जैविक घटना नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। उसे स्वस्थ शरीर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और सम्मानजनक अवसर देना ही वास्तविक परिवार नियोजन है। शहरों में महंगाई और करियर की चुनौतियों ने बच्चों का पालन-पोषण महंगी जिम्मेदारी बना दिया है, वहीं गांवों में अवसरों का अभाव युवाओं को शहरों की ओर धकेल रहा है। परिणामस्वरूप गांव खाली हो रहे हैं और शहर अनियोजित विस्तार व भीड़ के दबाव से जूझ रहे हैं। इसलिए जनसंख्या नीति का संबंध केवल जन्म दर से नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार और संतुलित क्षेत्रीय विकास से होना चाहिए। तभी हर नया नागरिक देश की संपत्ति बनेगा, बोझ नहीं।

आज का युवा जीवित रहने के लिए नहीं, बल्कि सम्मानजनक और सार्थक जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। उसकी आकांक्षाओं में अच्छी नौकरी, सुरक्षित भविष्य, स्वच्छ पर्यावरण, समान अवसर, नवाचार और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यदि ये अपेक्षाएं अधूरी रहीं तो आने वाले वर्षों में जन्म दर स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगी और हमारे सामने भी वही स्थिति आ सकती है, जिससे आज कई विकसित राष्ट्र गुजर रहे हैं। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस का संदेश परिवार नियोजन तक सीमित नहीं रह सकता। इसे युवा सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सतत विकास के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ना होगा। जब प्रत्येक युवा अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ सकेगा, तभी जनसंख्या राष्ट्रीय संपदा बनेगी।

पर्यावरण और संसाधनों को लेकर हमारी सोच भी बदलनी होगी। यह कहना आसान है कि बढ़ती आबादी संसाधनों पर दबाव बढ़ा रही है, किंतु यह आधा सत्य है। वास्तविक प्रश्न यह है कि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कैसे हो रहा है। असंतुलित उपभोग, अपव्यय और विकास की असमान शैली कई बार जनसंख्या से अधिक नुकसान पहुंचाती है। यदि तकनीक, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहर, आधुनिक कृषि और संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रबंधन को प्राथमिकता मिले, तो बड़ी आबादी भी सतत विकास की साझेदार बन सकती है। केवल जनसंख्या को दोष देकर नीतिगत कमजोरियों और सामाजिक जिम्मेदारियों से मुक्ति नहीं मिल सकती।

भारत जैसा विविधताओं से भरा देश एक जैसी नीति से नहीं चल सकता। अलग-अलग राज्यों, क्षेत्रों, संस्कृतियों और आर्थिक परिस्थितियों की अपनी चुनौतियां हैं। इसलिए जनसंख्या प्रबंधन स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप लचीला होना चाहिए। शिक्षा में निवेश, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, कौशल विकास और रोजगार सृजन–यही भविष्य के भारत के आधार स्तंभ हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी भारतीय मानव संसाधन को सही दिशा मिली, उसने असंभव को संभव बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन से सूचना प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप क्रांति तक हर उपलब्धि के पीछे संख्या नहीं, बल्कि प्रशिक्षित और प्रेरित मानव शक्ति ही निर्णायक रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें नई दृष्टि अपनाने का अवसर देता है। हमें लोगों की गिनती से आगे बढ़कर उनमें छिपी संभावनाओं को पहचानना होगा। देश की सबसे बड़ी पूंजी उसके खनिज, इमारतें या बजट नहीं, बल्कि उसके नागरिक होते हैं। यदि हर बच्चे की शिक्षा में निवेश होगा, हर युवा को अवसर मिलेगा, हर महिला सुरक्षित और सशक्त होगी तथा हर क्षेत्र संतुलित विकास का सहभागी बनेगा, तो भारत केवल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि सक्षम, समृद्ध और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में पहचाना जाएगा। तब विश्व जनसंख्या दिवस केवल औपचारिक तिथि नहीं रहेगा, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनेगा, जिसमें हर जन्म को बढ़ती संख्या नहीं, भविष्य की संभावना माना जाएगा।

–कृति आरके जैन

विश्व फुटबॉल में फिसड्डी क्यों हैं हम

भारत 140 करोड़ से अधिक की आबादी वाला देश है, लेकिन जब कभी वैश्विक स्तर पर फुटबाल की बात होती है तो भारत का नाम न देखकर पीड़ा होती है। इस मामले में न केवल पूरे देश को, वरन सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर हमारे खिलाड़ी और टीम फुटबाल में वैश्विक स्तर पर क्यों नहीं पहुंच पाए? हमारा देश अभी उस लायक क्यों नहीं बना कि फुटबाल की वैश्विक प्रतियोगिता में हिस्सा ले सके? यह देख कर हैरत होती है कि पराग्वे, कुराकाओ और केप वर्दे जैसे कई छोटे-छोटे देश भी फीफा विश्व कप में खेल रहे हैं। पराग्वे की आबादी 70 लाख के आसपास है, केप वर्दे की साढ़े पांच लाख, जबकि कुराकाओ की आबादी डेढ़ लाख है। मतलब भारत जैसे देश के नगर या उपनगर जैसी आबादी वाले देश भी फीफा विश्व कप का हिस्सा हैं। वहीं, हम फुटबाल विश्व कप आयोजन के महज दर्शक बने हुए हैं?

समय आ गया है कि अब हमें फुटबाल के भी वैश्विक स्तर के खिलाड़ी तैयार करने पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस महादेश में से हम भी डिएगो माराडोना, पेले आदि की तरह आगे बढ़ रहे लियोन मेसी, रोनाल्डो, हालैंड, नेमार, एमबापे जैसे खिलाड़ी विकसित कर सकेंगे, लेकिन इसके लिए गांव-गांव और स्कूल-स्कूल सर्वे करना होगा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी खोजने होंगे। उन्हें हर तरह की सुविधाएं मुहैया करानी होंगी, तब कहीं जाकर हम अच्छे फुटबाल खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारत फुटबाल में फिसड्डी क्यों है, जबकि इस देश में फुटबाल को लेकर जुनून कम नहीं है। बंगाल में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल जैसे क्लब वर्षों से फुटबाल का आयोजन कर रहे हैं।

बंगाल में फुटबाल का क्रेज ऐसा है कि वहां फुटबाल को लेकर उपन्यास लिखे गए। मोती नंदी जैसे बड़े लेखक ने फुटबाल केंद्रित उपन्यास %स्ट्राइकर% और %स्टापर% लिखे हैं। आज क्रिकेट के महासागर में गोते लगाने वाले इस देश में फुटबाल का समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन जून 2026 की ताजा फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष फुटबाल टीम विश्व में 138वें स्थान पर है। यह दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर टिकने के लिए हमें अभी एक लंबी और कठिन यात्रा तय करनी है। भारतीय टीम एशियाई फुटबाल परिसंघ की रैंकिंग में 26वें स्थान के आसपास संघर्ष कर रही है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है कि यदि हम थोड़ा और नीचे खिसके तो विश्व कप 2030 के क्वालीफायर में सीधे प्रवेश के बजाय कठिन नाकआउट दौर से गुजरना पड़ सकता है।

ऐसा नहीं है कि अपने देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के फुटबाल खिलाड़ी नहीं रहे हैं। सुनील छेत्री, बाइचुंग भूटिया, चुन्नी गोस्वामी, आइएम विजयन, पीके बैनर्जी, गुरप्रीत सिंह संधू जैसे खिलाड़ियों के नाम हम सब जानते हैं। सुनील छेत्री भारत के अब तक के सबसे सफल और महान फुटबालर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में सर्वाधिक गोल किए हैं और सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

–सुनील कुमार महला

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- ''युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।'' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है।

भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अलग है, इसलिए यहां समाधान कठोर दमनात्मक उपायों के बजाय समान रूप से लागू होने वाली जनसंख्या नीति, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, परिवार नियोजन, जन-जागरूकता और कानून के निष्पक्ष अनुपालन में निहित है। जनसंख्या के प्रश्न को जाति, धर्म या वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के हित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम भी इसी दिशा में संकेत करती है कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं जिम्मेदार नागरिक बनकर संतुलित परिवार और सतत विकास की दिशा में योगदान देंगे। भारत की लगभग आधी आबादी युवा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी राष्ट्र की शक्ति बनेगा, जब यह शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होगा। अन्यथा यही विशाल युवा आबादी बेरोजगारी, असंतोष और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक व्यापक, वैज्ञानिक और सर्वसम्मत राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर गंभीर विचार किया जाए। ऐसी नीति में समानता, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही जनसंख्या संबंधी किसी भी चर्चा में सामाजिक सौहार्द, तथ्यपरक विश्लेषण और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अतिरंजना या विभाजनकारी दृष्टिकोण समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा। इसके लिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन, मानव पूंजी में निवेश, महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं को अवसर, प्रभावी सीमा प्रबंधन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति-इन सभी का समन्वित प्रयास आवश्यक है। यदि भारत समय रहते जनसंख्या संतुलन, मानव विकास और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लक्ष्य अधिक यथार्थ रूप में साकार हो सकेगा। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति है, बशर्ते वह शिक्षित, स्वस्थ, अनुशासित, उत्पादक और संतुलित हो। यही विश्व जनसंख्या दिवस का वास्तविक संदेश है।

–ललित गर्ग

अस्वीकार्य है आतंकियों का महिमामंडन

कुख्यात कम्युनिस्ट तानाशाह जोसेफ स्टालिन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि शिक्षा एक ऐसा हथियार है, जिसका असर इस पर निर्भर करता है कि इसे कौन थामे हुए है और इसका निशाना किस पर है? स्टालिन के ही वैचारिक पूर्वज व्लादिमीर लेनिन कहते थे मुझे बच्चों को सिखाने के लिए चार साल दीजिए और मैंने जो बीज बोया है, वह कभी उखाड़ा नहीं जा सकेगा। ऐसे कथन जिस खतरनाक चीज की ओर इशारा करते हैं, उसका दंश अपना देश सैकड़ों वर्षों से झेल रहा है। शिक्षा के जरिये ऐसा नैरेटिव बनाया गया जो देश-समाज को विध्वंस के रास्ते पर ले जाता रहा। ऐसी भयानक साजिश का ताजा उदाहरण है जम्मू-कश्मीर में चयनित पुस्तकों में ऐसी सामग्री का समावेश, जो युवाओं को गुमराह कर अलगाववाद की ओर धकेलने, आतंकवाद को बढ़ावा देने, सामाजिक अशांति फैलाने तथा भारत की संप्रभुता- अखंडता को खतरे में डालने वाला है।

यह मामला केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'समग्र शिक्षा योजना' के तहत सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों के लिए चयनित पुस्तकों से जुड़ा है, जिसकी सामग्री अलगाववाद, आतंकवाद और भारत विरोधी सोच को बढ़ावा देने वाली है। विवाद के केंद्र में पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स आफ जेएंडके और ग्रेट पर्सनैलिटीज आफ जम्मू एंड कश्मीर नाम की दो पुस्तकें हैं। ओबेराय बुक्स सर्विस द्वारा प्रकाशित इन पुस्तकों में आतंकी मकबूल भट्ट, अलगाववादी सैयद अली शाह गिलानी, शबीर अहमद शाह, मसरत आलम, मीरवाइज उमर फारूक और मौलवी फारूक जैसे देश विरोधी तत्वों को जम्मू-कश्मीर के महापुरुषों के रूप में चित्रित किया गया है।

जबकि भारत को खतरनाक तरीके से नकरात्मक रूप में चित्रित किया गया है। कुख्यात आतंकवादी मकबूल भट्ट को जहां 'महान क्रांतिकारी' बताया गया, वहीं जम्मू-कश्मीर पर भारत की संप्रभुता को चुनौती देने और उसके पाकिस्तान में विलय की पैरवी करने वालों का महिमामंडन किया गया है। यहां तक कि हाफिज सईद जैसे दुर्दांत अंतरराष्ट्रीय आतंकी को भी प्रशंसा मिली है। यहां तक कि भारत को 'एक कब्जा जमाने वाला एवं दमनकारी राज्य' कहा गया है। जबकि वास्तविकता एकदम उलट है कि पाकिस्तान ने ही जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से पर न केवल अवैध कब्जा किया हुआ है, बल्कि इस गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोगों का ऐसा दमन जारी रखा हुआ है कि वहां के लोग सहायता के लिए भारत की ओर निहार रहे हैं।

यह अच्छा है कि विवाद सामने आते ही जम्मू-कश्मीर सरकार ने तत्काल प्रभाव से दोनों पुस्तकों को वापस लेने का आदेश दे दिया है। आठ अधिकारियों का निलंबन और दोनों पुस्तकों के लेखकों व प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय जांच शुरू की गई है, लेकिन घटनाक्रम ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। एक तो यही कि विशेषज्ञों की समिति के कौन से सदस्य हैं, जिन्होंने ऐसी पुस्तकों की खरीद के लिए सिफारिश की? यह भी कि पुस्तकों की स्वीकृति के लिए विशेषज्ञों की समिति का गठन किसने और किस आधार पर किया? इन सबके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। याद रहे कि ये पुस्तकें, स्कूल के पुस्तकालयों तक दुर्घटनावश या किसी गलत खरीद के कारण नहीं पहुंची थीं। इसे एक आधिकारिक प्रक्रिया के माध्यम से विशेषज्ञ समिति की सुनियोजित सिफारिश पर खरीदा गया। क्या यह भी चिंतनीय नहीं कि भारत सरकार की ही एक शिक्षा योजना का जम्मू-कश्मीर सरकार के निर्देश पर ऐसी किताबों पढ़ाने के लिए उपयोग किया जा रहा है, जो एक तरफ आतंकवादी और अलगाववादियों का महिमामंडन करती है तो दूसरी तरफ भारतीय राजसत्ता को नकारात्मक रूप से चित्रित करते हुए हमारी संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने का काम करती है। इस मामले में पुस्तक के लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट कर देना ही काफी नहीं है। उनके खिलाफ राष्ट्र-विरोधी लेखन प्रचारित करने के लिए मामले दर्ज किए जाने चाहिए, जो खुले तौर पर आतंकवाद और अलगाववाद का महिमामंडन करते हैं। यह भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा है। भारतीय कानूनी व्यवस्था में राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, अखंडता, देशद्रोह, अलगाववाद और आतंकवाद से जुड़े विषयों के लिए संविधान के विशिष्ट अनुच्छेद और दंडात्मक कानून प्रविधान हैं। पुस्तक की सामग्री अनुच्छेद 19 (2) का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 152 और 197 के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1967 के धारा 2(1)(ओ) जैसे प्रविधानों का भी उल्लंघन करती हैं। 'जम्मू कश्मीर पीपुल्स फोरम जैसे संगठनों ने इनकी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोई भी लोकतांत्रिक समाज आतंक या अलगाववादी विचारधारा के प्रचार को बर्दाश्त नहीं कर सकता। एक समय एनसीईआरटी आदि की पुस्तकों में इसी तरह के भ्रामक नैरेटिव से भरी सामग्री होती थी। उनमें औरंगजेब जैसे आततायी का महिमामंडन होता था, जबकि भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी देशभक्तों को आतंकी लिखा जाता था। खून की नदियां बहाने वाला सिकंदर महान कहलाता था, तो प्रशासनिक सुधारों और जनकल्याण के लिए विख्यात छत्रपति शिवाजी को लुटेरा बताया जाता था?

–धनंजय राजौरा

शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए स्कूलों में लगातार निरीक्षण करें, लापरवाही पर होगी कार्यवाही - सीईओ ज्योति शर्मा

लेखन और उच्च-स्तरीय दक्षताओं में सुधार के लिए कक्षा शिक्षण को बेहतर बनाएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला परियोजना प्रबंधन इकाई की मासिक समीक्षा बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास श्रीमती ज?योति शर्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत देवास सभाकक्ष में आयोजित की गई। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता और नियमितता को बढ़ावा देने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों का लगातार और सघन निरीक्षण किया जाए। उन?होंने कहा कि हर महीने किस अधिकारी ने कितने निरीक्षण किए हैं, इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी।

सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा ने समस्त विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए अभ्यास पुस्तिका की उपलब्धता सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने ब्लॉक संसाधन केंद्र समन्वयक (बीआरसीसी) को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा है कि वे इसकी नियमित रूप से ट्रैकिंग करें ताकि किसी भी स्कूल में पाठ्य सामग्री की कमी न हो। शैक्षणिक सुधारों को गति देने के लिए सीईओ श्रीमती शर्मा ने निर्देश दिए कि जुलाई माह में आयोजित होने वाली सभी विकासखंड स्तरीय बीआरसीसी-बीपीएमयू बैठकों में मुख्य एजेंडा %एफएलएन% (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी - बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान) होना चाहिए।

बैठक में वार्षिक मूल्यांकन के आंकड़ों पर चर्चा के दौरान सामने आया कि विद्यार्थियों का मौखिक कौशल काफी संतोषजनक है, लेकिन लेखन और उच्च-स्तरीय दक्षताओं में अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। इस पर विशेष जोर देते हुए सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लेखन में आ रही यह कमी विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता की कमी नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि हमें कक्षा शिक्षण के स्तर को और अधिक सुधारना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षक बच्चों की लेखन शैली और तार्किक सोच को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास करें, ताकि अगली समीक्षा तक इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दें।

सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा ने कहा कि आगामी बैठक में स्कूलों में हुए जमीनी बदलावों की समीक्षा की जाएगी। आगामी बैठक में मुख्य रूप से कक्षा स्तर पर हुए वास्तविक परिवर्तन, बच्चों तक पाठ्यपुस्तकों की पहुँच और अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षणों की समीक्षा की जाएगी।

स्टॉप डायरिया अभियान के तहत किया जा रहा है जागरूकता और जल शुद्धिकरण गतिविधियां का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में डायरिया से होने वाली मृत्यु दर को शून्य पर लाने के उद्देश्य से स्टॉप डायरिया अभियानका सघन संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम अगेरा, तालोद, उदयपुरा, निमनपुर, खुटखाल, सबलगढ एवं पलासी में स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और पंचायत राज विभाग के आपसी समन्वय से स्कूल, आंगनवाड़ी और समुदाय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ग्राम स्तर पर फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल की गुणवत्ता का परीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही पानी के मुख्य स्त्रोतों का क्लोरीनेशन किया जा रहा है, ताकि पानी में मौजूद हानिकारक कीटाणु नष्ट हो सकें और डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों के खतरे को खत्म किया जा सके। विभाग की टीमों द्वारा ग्रामीणों को पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश भी दी जा रही है।

सुनेरा पुलिस ने की स्कूली बसों की जांच

स्कूल प्रबंधन को दिए दस्तावेजन व बसों को फिट रखने के निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए थाना सुनेरा पुलिस द्वारा शुक्रवार को स्कूल बस चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत थाना प्रभारी ने अभयपुर स्थित गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर स्कूल बसों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स तथा बस चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की गहन जांच की गई। साथ ही सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि सभी स्कूल बसों में निर्धारित सुरक्षा उपकरण हमेशा कार्यशील अवस्था में रहें तथा परिवहन विभाग एवं शासन द्वारा जारी सभी नियमों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। अभियान का उद्देश्य स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है।

श्रमिकों ने आवासों के पंजीयन में अनियमितता का लगाया आरोप, उत्तराधिकारियों के नाम मालिकाना हक देने की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जवाहर नगर स्थित एलआईजी (निम्न आय वर्ग) क्वार्टर्स में निवासरत श्रमिकों एवं उनके उत्तराधिकारियों ने मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल और गाजरा गियर्स प्राइवेट लिमिटेड पर आवास आवंटन एवं पंजीयन में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

उन्होंने मांग की है कि कंपनी के हित में किए गए सभी पंजीयनों को निरस्त कर मकानों का पंजीयन पात्र श्रमिकों अथवा उनके उत्तराधिकारियों के नाम किया जाए। श्रमिकों ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कामना नगर स्थित कार्यालय में कॉमरेड कैलाश सिंह राजपूत को जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 1978-80 के दौरान मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल ने भाड़ा-क्रय योजना के तहत श्रमिकों के लिए 62 एलआईजी मकानों का निर्माण कराया था। वर्ष 1981 में गाजरा गियर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची एवं बैंक गारंटी के आधार पर पात्र श्रमिकों को इन मकानों का आवंटन किया गया। कंपनी द्वारा श्रमिकों के मूल वेतन का 10 प्रतिशत एवं उस पर देय महंगाई भत्ता प्रत्येक माह काटा गया, लेकिन यह राशि गृह निर्माण मंडल में जमा नहीं कराई गई। श्रमिकों का आरोप है कि सेवानिवृत्ति के बाद उनसे मकान खाली करने के लिए कहा गया। बाद में गृह निर्माण मंडल ने उनसे लगभग 34 हजार रुपये अतिरिक्त जमा कराए, जबकि वे वर्षों तक वेतन से राशि कटवा चुके थे। इसके बावजूद कुछ ही श्रमिकों को मकानों का स्वामित्व मिला, जबकि शेष मकानों का पंजीयन कथित रूप से कंपनी के हित में करा दिया गया। श्रमिकों ने यह भी आरोप लगाया कि न्यायालय में भी गलत जानकारी प्रस्तुत की गई। श्रमिकों ने मध्य प्रदेश शासन, मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल भोपाल एवं उज्जैन तथा गाजरा गियर्स के प्रबंधन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी विवादित पंजीयनों को निरस्त किया जाए तथा मकानों का पंजीयन पात्र श्रमिकों या उनके उत्तराधिकारियों के नाम किया जाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 31 जुलाई तक कराएं खरीफ फसलों का बीमा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत प्राकृतिक जोखिमों से फसलों की सुरक्षा के लिए खरीफ-2026 मौसम का बीमा कार्य जारी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 31 जुलाई 2026 के फसलों बीमा कार्य किया जा रहा है। उप संचालक कृषि ज्ञानसिंह मोहनिया ने बताया कि वर्ष 2026 मौसम खरीफ में अधिसूचित फसलों के लिए कृषक द्वारा प्रीमियम राशि सोयाबीन फसल हेतु रुपए 926, मक्का सिंचित फसल हेतु रुपए 648, धान फसल हेतु 662 रुपए प्रति हेक्टेयर है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करने के इच्छुक कृषक अपनी निकटतम बैंक शाखा/सहकारी समिति/ अधिकृत चैनल/जन सेवा केंद्र (सीएससी) एवं कृषक स्वयं भी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www.pmfby.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कृषकों को फसल बीमा करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज बैंक पासबुक, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बही/पावती एवं बटाईदार किसान या किराए पर ली गई भूमि के लिए मालिक द्वारा शपथ पत्र दिया जाना अनिवार्य है। उप संचालक कृषि श्री ज्ञानसिंह मोहनिया ने जिले के सभी ऋणी एवं अऋणी किसान भाइयों से अपील की है कि वे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए निर्धारित अवधि 31 जुलाई 2026 के पूर्व अनिवार्य रूप से अपनी फसलों का बीमा करवाकर योजना का लाभ उठाएं।

जगन्नाथ के भात जगत पसारे हाथ...

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया का वातावरण शुक्रवार को उस समय भक्तिमय हो गया जब भगवान जगन्नाथ स्वयं अपने भक्तों के हाल जानने पहुंचे, जिनकी एक झलक पाने और उनकी रथयात्रा का लाभ लेने लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। अवसर था अखिल भारतीय चंद्रवंशी खाती समाज एवं सर्व हिंदू समाज के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई प्रभु श्री जगन्नाथ की रथयात्रा का।

शुक्रवार प्रातः 10 बजे श्री जगदीश मंदिर से प्रातः रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। इसके पूर्व प्रभु का विधि विधान से पूजन कर 56 भोग अर्पित कर आरती की गई। जिसके बाद डीजे व ढोल-ढमाके के साथ भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए पुरुष, महिला, युवा ही नहीं बच्चे भी बड़ी संख्या में इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ के ''जगन्नाथ के भात जगत पसारे हाथ'' के श्लोक गूंजायमान करते हुए प्रभु की रथयात्रा में शामिल हुए। जो रथ को खिंचने के लिए लालायित दिखे। रथयात्रा मोहन बड़ोदिया के फूलचंद चौराहा, खेड़ापति हनुमान मंदिर सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर पहुंची जहां यात्रा का विश्राम हुआ। इस दौरान राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, व्यापारीगण एवं नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रथ यात्रा का स्वागत किया। यात्रा निर्विघ्न रूप से निकले इसके लिए पूरे समय यातायात कर्मी सहित थाना प्रभारी अरविंद सिंह तोमर भी अपनी टीम के साथ मुस्तैद रहे जिससे आयोजन आनंद के साथ संपन्न हुआ।

108 गौशालाओं का दौरा पूरा, ब्ड को सौंपेंगे रिपोर्ट

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत ने श्हर-हर गाय, घर-घर गायश् अभियान के तहत 108 गौशालाओं का दौरा पूरा कर लिया है। शाजापुर पहुंचने पर उन्होंने बताया कि इस अभियान की विस्तृत रिपोर्ट 15 जुलाई के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंपी जाएगी।

राजपूत ने कहा कि यह अभियान वर्ष 2016 से प्रदेशभर में जनजागरण कर रहा है। इसके तहत 25 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए चरण में प्रदेश की 108 गौशालाओं का भ्रमण किया गया। इस दौरान गौशालाओं की व्यवस्थाओं, समस्याओं और गौसेवकों से चर्चा की गई। यह चरण सेमली धाम आश्रम में 108वीं गौशाला के दौरे के साथ संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 45 से अधिक जिलों का दौरा किया गया। प्रदेश में तीन हजार से अधिक गौशालाएं संचालित हैं, जिन्हें सरकार प्रति गाय 40 रुपए की सहायता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त, सालरिया और रीवा सहित कई स्थानों पर बड़े गौ अभयारण्य विकसित किए जा रहे हैं, जिससे निराश्रित गौवंश की समस्या का समाधान होगा।

गाय को एक रोटी रोज खिलाने की अपील- राजपूत ने आम जनता से अपील की कि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन एक रोटी गाय को खिलाए या वर्ष में 365 रुपए गौशालाओं को दान करे। उन्होंने जन्मदिन और पुण्यतिथि जैसे अवसरों को गौशालाओं में मनाने का भी आग्रह किया। प्राकृतिक खेती के संबंध में उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार गौ-आधारित खेती को बढ़ावा दे रही है। सरकार किसानों को प्रोत्साहन, जैविक उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने और भविष्य में छोटे किसानों के लिए बैल आधारित कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य कर रही है।

बिहारीगंज में आबकारी विभाग की कार्रवाईः 70 पाव शराब और एक्टिवा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान जारी, 58 हजार रुपये की सामग्री जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में, सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे एवं निलेश पंवार के नेतृत्व में 9 जुलाई को देवास शहर वृत्त की टीम ने बिहारीगंज, बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान 40 पाव देशी मदिरा एवं 30 पाव विदेशी मदिरा बरामद की गई। साथ ही अवैध परिवहन में प्रयुक्त एक एक्टिवा वाहन भी जब्त किया गया। मौके से बादल निवासी बिहारीगंज को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी विभाग ने आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत दो प्रकरण दर्ज किए हैं। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित मूल्य करीब 58 हजार रुपये बताया गया है।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव एवं राजाराम रायकवार के साथ आबकारी आरक्षक निहाल खत्री, बालकृष्ण जायसवाल, आशीष गुप्ता, सुरेन्द्र वर्षी और निकिता परमार शामिल रहे। विभाग के अनुसार अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पोधरोपण कार्यक्रम आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम गिरवर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में शुक्रवार को जनप्रतिनिधि व आशा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पोधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर उनकी सुरक्षा व पेड़ बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि पवन गुर्जर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा मकवाना, सोरमबाई पंवार, ग्राम सेवक रऊफ शाह व ग्रामीण महिलाओं की मौजूददगी में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि पवन गुर्जर ने बताया कि हमें हर साल पौधे लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का समय पर्यावरण सुरक्षा का समय है जहां हमारी जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। इसलिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा रोपकर उसे पेड़ बनने तक की जिम्मेदारी लेना चाहिए।

नगर से रवाना हो रहे बाबा बर्फानी के भक्त

नगरवासियों ने शुभकामनाओं के साथ दी विदाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अमरनाथ यात्रा को लेकर भक्तों का अमरनाथ जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। अब तक कई लोग बाबा के दर्शन कर वापस लौट चुके हैं तो कई युवाओं द्वारा यात्रा की तैयारी की जा रही है। हाल ही में पांच लोगों का दल बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ जिन्हें नगरवासियों ने शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

सर्वप्रथम नगर से रवाना होने के पूर्व भक्तों ने नगर के महादेव मंदिरों में पूजा-अर्चना की। इसके बाद ईष्ट मित्रों ने इनका स्वागत कर शुभकामनाओं के साथ इन भक्तों को रवाना किया। जो बेरछा से मालवा ट्रेन से रवाना हुए और बाबा बर्फानी के दरबार पहुंचकर दर्शन का लाभ लिया। श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां सेना के जवानों की देखरेख में यात्रा बहुत अच्छे से हो रही है और कदम-कदम पर भक्तों की सेवा के लिए सहायक भी मौजूद रहते हैं जो हर समस्या में आपके साथ खड़े रहते हैं। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में प्रकाश सूर्यवंशी, अशोक जाधव, प्रदीपसिंह सिकरवार, धर्मेंद्र गुर्जर, महेशचंद्र शर्मा, सुमित विक्रवाल, ऋषभ श्रीवास्तव, मोहित पाटीदार, अमन यादव एवं देवेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी यात्रा बिना बाधा के पूर्ण हुई और उन्होंने अपनी यात्रा का वृत्तांत सुनाए।

जारी है यात्रा का सिलसिला- नगर से कई लोग अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं और अभी भी लोगों के जाने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को भी युवाओं का जत्था नगर से रवाना होगा जो दो से तीन दिन के अंदर बाबा बर्फानी के दर्शन कर सकेंगे।

7 दिन में सुधार करें, वरना होगी कार्रवाईः दो अस्पतालों को नगर निगम की चेतावनी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के अस्पतालों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच के दौरान नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में हुई सघन जांच के बाद पाटीदार हॉस्पिटल और एच.ए.एच. यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में फायर ऑडिट के अनुरूप आवश्यक सुरक्षा उपकरण अधूरे पाए जाने पर सात दिन के भीतर सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। समय सीमा में सुधार नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

नगर निगम की टीम ने शहर के निजी एवं शासकीय अस्पतालों में फायर सुरक्षा उपकरण, आपातकालीन निकास, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, फायर ऑडिट और इलेक्ट्रिकल ऑडिट की जांच की। अधिकांश अस्पतालों में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, जबकि दो अस्पतालों में सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आईं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026/2095 | शाजापुर, दिनांक 08.07.2026

भवन/भूमि नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अंतर्गत मकान/प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं. उक्त मकान/प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें. निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जाएगी, सो सूचित हो.

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र./क्षेत्र	भवन/भूमि	नामांतरण का आधार
1	451/26X7	मांगीलाल मंडोवर पिता सीताराम लोहिया मार्ग, शाजापुर	महावीर जैन पिता लक्ष्मीचंद्र, बेरछा	25, पं. दीनदयाल	भूमि सर्वे क्र. 201/1/2/3	रजिस्ट्री
2	452/26X7	शाकिर खां पिता सलीम खां, रूबीना बी पति शाकिर खां, अ. कलाम आजाद मार्ग शाजापुर	तसलीम खां पिता शकूर खां, मुगलपुरा शाजापुर	7, मोमनवाड़ी	भवन क्र 25/2	रजिस्ट्री
3	453/26X7	दुर्गाप्रसाद सूर्यवंशी पिता स्व. कन्हैयालाल, लालपुरा, शाजापुर	स्व. कन्हैयालाल सूर्यवंशी पिता सौभाराम, लालपुरा शाजापुर	18, लालपुरा	भवन क्र. 6	फोती नामांतरण
4	454/26X7	मनीष पिता हरिचंद्र, हरिनारायण पिता छगनलाल, वजीरपुरा शाजापुर	सोहन, घनश्याम पुत्रगण सुंदर लाल मोटवानी आदिगण, भोपाल	23, सोमेश्वर मार्ग	भवन क्र. 32/1	रजिस्ट्री
5	455/26X7	राजेंद्र रिणवा पिता पन्नालाल रिणवा, राजनगर कॉलोनी, शाजापुर	पूजा पति दीपक, ज्योति पति अरविंद इंदौर	4, शहीद भगतसिंह मार्ग	भूमि सर्वे क्र. 48	रजिस्ट्री
6	456/26X7	कयामुद्दीन खां पिता स्व. जमालउद्दीन खां, महूपुरा शाजापुर	आयशा बी, कयामुद्दीन पति/पिता स्व. जमालउद्दीन, लालपुरा शाजापुर	5, महूपुरा	भवन क्र. 117	फोती नामांतरण
7	457/26X7	सपना बाई पति सुनील देव, कालीसिंध	भूषण दुबे पिता अशोक, श्याम रावत पिता ओमप्रकाश आदिगण शाजापुर	28, दुपाड़ा रोड	भूमि सर्वे क्र. 15/2/2	रजिस्ट्री
8	458/26X7	दिलीप, संजय, आशादेवी, सरिता पिता स्व. शांतिलाल कोठारी	स्व. शांतिलाल पिता हंसराज, सुगंधी गली, शाजापुर	9, सुगंधी गली	भवन क्र 10	फोती नामांतरण
9	459/26X7	सुशीला देवी, रामकृष्ण पति/पिता स्व. जयप्रकाश मंडलोई, लाहोरी शाजापुर	स्व. जयप्रकाश पिता मणीशंकर, लाहोरी, शाजापुर	18, जवाहर मार्ग	भवन क्र. 55/5	फोती नामांतरण
10	460/26X7	रानी पति धर्मेंद्र, उज्जैन	मो. शेवन आगा पिता जरीफ, मगरिया, शाजापुर	26, विजय नगर	भूमि सर्वे क्र. 172/मिन-56	रजिस्ट्री

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

दिनेश सौराष्ट्रीय
प्रभारी, राजस्व एवं वित लेखा
नगर पालिका परिषद शाजापुर

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

बारिश में मुसीबत बन सकते हैं खुले ट्रांसफार्मर

कई बार हो चुके हैं हादसे, बिजली कंपनी नहीं दे रही ध्यान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश के मौसम में बिजली का करंट लोगों के लिए मुसीबत बन सकता है। क्योंकि नगर में कई जगह लगे ट्रांसफार्मर खुले पड़े हैं जो कभी भी किसी हादसे का कारण बन सकते हैं। इसकी जानकारी आमजनों को ही नहीं बल्कि अधिकारियों को भी है। बावजूद इसके इनका उचित संरक्षण नहीं किया जा रहा है।

ऐसे एक नहीं बल्कि कई स्थान है जहां खुले पड़े ट्रांसफार्मर हादसों को न्यौता देते नजर आ रहे हैं। दुपाड़ा रोड जहां करीब 6 शिक्षण संस्थाएं हैं जहां स्कूली बच्चों का आना-जाना लगा रहता है। यहीं पर ट्रांसफार्मर खुला पड़ा है। जिनमें कई बार आग भी लग चुकी है। वर्तमान में बारिश का सीजन चल रहा है ऐसे में इन खुले पड़े ट्रांसफार्मरों की अनदेखी भारी पड़ सकती है, लेकिन बिजली कंपनी द्वारा इनके सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। शायद अधिकारियों को किसी हादसे का इंतजार है।

कई मवेशी हो चुके हैं हादसे का शिकार- हाल ही में नगर में कई जगह करंट फैलने की घटनाएं हो चुकी है। दो दिन पहले भी बस स्टैंड क्षेत्र में करंट फैलने से एक मवेशी की जान चली गई थी। इस दौरान कुछ लोगों को भी करंट लगा था जिसके बाद बिजली कंपनी को शिकायत की गई थी जिन्होंने जांच की तो पता चला कि वायरिंग में खराबी थी जिससे करंट फैल रहा था। तब इस समस्या का समाधान किया।

यहां खुले पड़े हैं ट्रांसफार्मर- दुपाड़ा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय के पास लगा ट्रांसफार्मर लंबे समय से खुला पड़ा है जिसे आज तक दुरूस्त नहीं किया गया है। इसके अलावा नगर के लालपुरा, कृष्णा कालोनी जोड़ पर लगा ट्रांसफार्मर भी खुली अवस्था में हादसों को न्यौता दे रहा है। इसके अलावा लालपुरा, भावसार मोहल्ला में भी ट्रांसफार्मरों की हालत खस्ता है जिनके तार और अन्य उपकरण बाहर निकल रहे हैं।

इनका कहना है- शहर में कई सारे ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं जिनमें कभी-कभी समस्या होती है और समय-समय पर कंपनी द्वारा इनमें सुधार कार्य किया जाता है।

- श्री वर्मा, एसई-विवि कंपनी-शाजापुर

श्री महावीर स्कूल की मनमानी पर उठे सवाल; फीस के नाम पर छात्र का टीसी अटकाया, तो प्राचार्य पर लगे प्रताड़ना के गंभीर आरोप

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के आलोट स्थित श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल एक बार फिर विवादों के घेरे में है। स्कूल प्रबंधन पर न केवल गरीब छात्र का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगा है, बल्कि प्राचार्य के खिलाफ शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ दादागिरी और दुर्व्यवहार की शिकायतें भी सामने आई हैं। इन दोहरे मामलों ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

फीस के चक्कर में छात्र का भविष्य अधर में- ग्राम शेरपुरखुर्द निवासी रामचन्द्र सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में शिकायत की थी कि उनका पुत्र शिवलाल सूर्यवंशी उक्त स्कूल में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत था। परीक्षा परिणाम में असफल होने के बाद रामचन्द्र अब अपने पुत्र को सरकारी स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। लेकिन, जब वे स्कूल से स्थानांतरण प्रमाण-पत्र लेने पहुंचे, तो प्रबंधन ने 37,600 रुपये बकाया फीस जमा करने का दबाव बनाया।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पिता का कहना है कि वे इतनी बड़ी राशि चुकाने में असमर्थ हैं। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी, रतलाम ने 2 जुलाई 2026 को पत्र जारी कर स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए थे कि मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार कर छात्र को टीसी जारी की जाए। बावजूद इसके, शिकायतकर्ता का आरोप है कि अब तक उन्हें कोई राहत नहीं मिली है।

प्राचार्य पर दादागिरी और प्रताड़ना का आरोप- दूसरी ओर, स्कूल प्रबंधन की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्राप्त एक अन्य शिकायत के अनुसार, स्कूल के प्राचार्य मनोज शर्मा पर विद्यालय के ही शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार, मानसिक प्रताड़ना और गाली-गलौज करने के गंभीर आरोप लगे हैं। वैभव मांदलिया नामक शिकायतकर्ता ने इसे लेकर ईमेल के जरिए कलेक्टर को अवगत कराया था।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस तरह के माहौल से विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और स्कूल द्वारा सीबीएसई (CBSE) के नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस मामले में प्राचार्य से 3 दिवस के भीतर तथ्यात्मक प्रतिवेदन मांगा है।

शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर टिकीं निगाहें- एक तरफ जहां एक किसान अपने बच्चे के टीसी के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, वहीं दूसरी ओर स्कूल के भीतर प्राचार्य द्वारा शिक्षकों के साथ की जा रही कथित अभद्रता ने शैक्षणिक माहौल को शर्मसार कर दिया है। अब देखना यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी इन शिकायतों पर क्या ठोस कार्रवाई करते हैं या फिर स्कूल प्रबंधन की मनमानी इसी तरह जारी रहेगी।

महावीर स्कूल प्राचार्य - मनोज शर्मा का कहना है किसंबंधित को बुलवाया गया है। जैसी भी उनकी वास्तविक आर्थिक स्थिति है स्कूल समझेगा और सहयोग करेगा।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित में आज शुक्रवार को बैंक की वित्तीय स्थिति और परिचालन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, एलडीएम श्री दिवाकर ठाकुर, बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और शाखा प्रबंधक शामिल हुए।

बैठक के दौरान बैंक की वित्तीय स्थिति, ऋण वितरण, वसूली प्रक्रिया, एनपीए नियंत्रण, जमा वृद्धि और विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस अवसर पर प्रशासक श्री सिंह ने बैंक की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को ऋण वसूली व सदस्यता अभियान में तेजी लाने, नए खातों की संख्या बढ़ाने और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही, ग्राहकों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए बैंक के विकास हेतु महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए, जिसके बाद प्रशासक श्री सिंह ने सभी को निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

महिदपुर में 16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की यात्रा, तैयारियां शुरू

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री प्राचीन जगदीश मंदिर भगत सिंह चौक से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा 16 जुलाई 2026 गुरुवार दोपहर 1ः00 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। यात्रा में डीजे, बैंड, ढोल-धमाके और भजन मंडलियां शामिल रहेंगी, जिससे पूरे नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिलेगा। भगवान जगन्नाथ की यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। श्री प्राचीन जगदीश मंदिर सेवा समिति महिदपुर ने सभी नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यात्रा में शामिल होने और धर्म लाभ लेने की अपील की है।

नरेश भाई पटेल के जन्मदिन पर तिलगारा में लगा रक्तदान शिविर, 75 यूनिट रक्त संग्रहित

श्री खोडलधाम ट्रस्ट का सराहनीय प्रयास; पाटीदार समाज के शीर्ष नेतृत्व और महिला मंडल ने निभाई सक्रिय भूमिका

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प को चरितार्थ करते हुए शुक्रवार को श्री खोडलधाम ट्रस्ट तिलगारा द्वारा एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह भव्य शिविर श्री खोडलधाम ट्रस्ट कागवाड़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेश जी पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। शिविर में युवाओं और समाज जनों के जबरदस्त उत्साह के चलते कुल 75 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो संकटकाल में जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

नारी शक्ति ने पेश की अनूठी मिसाल- इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता महिला मंडल की सक्रिय और अनुकरणीय भागीदारी रही। रूढ़ियों को पीछे छोड़ते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने न सिर्फ शिविर की व्यवस्थाओं में हाथ बंटाया, बल्कि स्वयं आगे आकर बढ़-चढ़कर रक्तदान भी किया। महिला शक्ति का यह जज्बा पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है।

वरिष्ठ सामाजिक नेतृत्व की रही गरिमामयी उपस्थिति- इस

पुनीत कार्य में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने के लिए मध्य प्रदेश पाटीदार समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री कृष्ण कांजी पाटीदार (दर), धार-रतलाम-झाबुआ क्षेत्रीय पाटीदार समाज संगठन के अध्यक्ष श्री जमनालाल जी पाटीदार, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री ईश्वर लाल जी पाटीदार (जबड़ा), वरिष्ठ सामाजिक नेता श्री समरथ जी पटेल (तितरी), श्री खोडलधाम ट्रस्ट तिलगारा के अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी पाटीदार, ट्रस्ट के सचिव श्री गणपत जी पाटीदार, पूर्व अध्यक्ष श्री गोविंद राम जी पाटीदार (कुआंझगर), श्री कन्हैयालाल जी (सरवनी), श्री पूनमचंद जी (नलकुई), श्री शिवराम जी पाटीदार (बड़ाछपरा), युगल किशोर पाटीदार, शिवम बेकड़ा, द्वारिकाप्रसाद बेकडा और बद्रीलाल पाटीदार सहित समाज के कई वरिष्ठ जन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शिविर का संचालन एवं आभार प्रदर्शन- शिविर का अत्यंत व्यवस्थित और गरिमापूर्ण मंच संचालन श्री खोडलधाम ट्रस्ट तिलगारा के सचिव श्री गणपत पाटीदार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल समापन पर पधारे हुए सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, चिकित्सा टीम और सहयोगियों का सहृदय आभार श्री सोहन पाटीदार ने माना। ट्रस्ट मंडल ने इस सफल आयोजन के लिए पूरे पाटीदार समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

पुजारियों की जेब सिल दो बयान पर बवाल, पुजारी महासंघ भड़का

महेश पुजारी बोले, पहले अपने अखाड़ों की व्यवस्था सुधारे- पुजारियों को बदनाम करना बंद करें- दोबारा ऐसा बयान आया तो पुतला दहन करेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज और महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी महाराज के मंदिरों में दान की चोरी रोकने को लेकर दिए गए बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। दोनों संतों ने पुजारियों की जेब सिलने या बिना जेब वाली वेशभूषा लागू करने तथा मंदिर में प्रवेश और बाहर निकलते समय पुजारियों की तलाशी लेने जैसी व्यवस्था की बात कही थी। इस पर उज्जैन के पुजारियों में तीखी नाराजगी देखने को मिली है। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने इसे पुजारी समाज का अपमान बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

गुरुवार को निरंजनी अखाड़े में आयोजित संतों की बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में पुजारियों की यूनिफॉर्म में जेब नहीं रखने की व्यवस्था लागू की गई है। उनका कहना था कि इससे मंदिर में आने वाला दान सीधे दानपेटी में जाएगा और जनहित के कार्यों में उपयोग होगा। उन्होंने संकेत दिए कि ऐसी व्यवस्था अन्य मंदिरों में भी लागू की जा सकती है। वहीं चारधाम से जुड़े महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी महाराज ने कहा कि वर्तमान समय इलेक्ट्रॉनिक युग का है। मंदिरों में कर्मचारियों और पुजारियों के लिए ड्रेस कोड होना चाहिए। साथ ही मंदिर में प्रवेश से पहले और बाहर निकलते समय मेटल डिटेक्टर से जांच और तलाशी की व्यवस्था होने से दान की चोरी पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के अध्यक्ष महेश पुजारी ने तीखा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि दोनों संतों की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण और पुजारी समाज का अपमान करने वाली है। उन्होंने कहा कि शैव परंपरा के मंदिरों में पुजारी कुर्ता पहनते ही नहीं हैं, इसलिए ऐसा बयान उनकी जानकारी के अभाव को दर्शाता है। महेश पुजारी ने सवाल उठाया कि आखिर चोरी के मामलों में पुजारियों को ही क्यों कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बगलामुखी मंदिर मामले में आरोप कर्मचारियों पर लगे थे, फिर पूरे पुजारी समाज को बदनाम करना उचित नहीं है। उन्होंने अखाड़ा परिषद को नसीहत देते हुए कहा कि पहले अपने अखाड़ों की व्यवस्थाओं को सुधारें, उसके बाद मंदिरों के पुजारियों पर टिप्पणी करें।

उन्होंने यह भी कहा कि जिस मनसा देवी ट्रस्ट का उदाहरण दिया जा रहा है, वह निजी ट्रस्ट है। यदि वहां पुजारियों पर इस तरह की शर्तें लागू की गई हैं तो उन्हें मंदिर छोड़ देना चाहिए। महेश पुजारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में भी पुजारियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले बयान दिए गए तो अखिल भारतीय पुजारी महासंघ सड़क पर उतरकर विरोध करेगा और रविंद्र पुरी महाराज का पुतला दहन भी किया जाएगा। इससे साफ है कि संतों के बयान के बाद अब यह विवाद और गहराने के आसार हैं।

ऑटो चालक पर चाकू से हमला करने वाला एक आरोपी हिरासत में

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन के बाहर गुरुवार सुबह ऑटो चालक पर दो बदमाशों ने चाकू से हमला किया था। सीसीटीवी कैमरे का फुटेज आने पर देवास गेट पुलिस ने बदमाशों की पहचान की और रात में एक को हिरासत में ले लिया। बदमाश अंबर कॉलोनी का रहने वाला है और ऑटो चलाता है। देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि रेलवे स्टेशन के बाहर हुई चाकूबाजी में सचिन गुप्ता पिता सुरेन्द्र गुप्ता, 47 वर्ष, निवासी विजय नगर, उण्डासा रोड़ गंभीर घायल हुआ था जिसे चरक अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से परिजन उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए। पुलिस ने अस्पताल पहुंचे घायल के बयान दर्ज कर मामले में दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ धारा 296(बी), 118(1), 351(2) बीएनएस का मामला दर्ज किया था और चाकू मारने वालों की पहचान करने के लिए रेलवे स्टेशन के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे थे। पान की दुकान पर लगे कैमरे में चाकू बाजी की घटना दिखाई दी थी जिसमें बदमाश हमला करते दिखाई दे रहे थे पुलिस ने फुटेज के आधार पर दोनों की पहचान के प्रयास शुरू किये। एक बदमाश अमन पिता राजेंद्र यादव निवासी अंबर कॉलोनी का रहने वाला सामने आया। दूसरा साथी अक्का था। दोनों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए गए रात में पुलिस ने अमन यादव को हिरासत में ले लिया जिससे पूछताछ कर उसके दूसरे साथी की जानकारी जुटा जा रही है वहीं हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। अमन भी ऑटो चालक है और सवारी बैठाने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस द्वारा अमन का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाल जा रहा है।

आज पूरे शहर में नहीं होगा जल सप्लाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गंभीर इंटेकवेल पर एचटी मोटर पंप की रिपेयरिंग और राइजिंग मेन लाइन में आवश्यक मरम्मत कार्य सुबह से शुरू किया गया। इसके लिए शुक्रवार को शटडाउन लिया गया। मरम्मत कार्य के कारण आज 11 जुलाई को पूरे उज्जैन शहर में जल सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। पीएचई अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक सुचारु, सुरक्षित और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे शुक्रवार को अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पानी का भंडारण कर लें, ताकि शनिवार को जलापूर्ति बंद रहने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर निगम ने नागरिकों से सहयोग की भी अपील की है, ताकि मरम्मत कार्य समय पर पूरा कर जलापूर्ति जल्द से जल्द सामान्य की जा सके।

कालिदास कॉलेज में भारतीय शिक्षा दिवस समारोह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के स्थापना सप्ताह के अंतर्गत शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में भारतीय शिक्षा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा आधारित शिक्षा तथा राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की राष्ट्रीय सह-संयोजक परिवार में संवाद की भाषा डॉ. गीता नायक ने कहा कि देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय भाषाओं को शिक्षा के केंद्र में स्थापित करती है। मातृभाषा को शिक्षा का प्रमुख माध्यम बनाकर विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा एवं रुचि के अनुरूप विषय चयन तथा अपनी भाषा-बोली में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय शिक्षा पद्धति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर कार्यरत है।

फायर अफसर को थप्पड़ मारने वाला होटल संचालक का बेटा जेल पहुंचा, कोर्ट ने जमानत ठुकराई

फायर सेफ्टी जांच के दौरान दस्तावेज मांगने पर किया था हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल थाना क्षेत्र में फायर सेफ्टी जांच के दौरान नगर निगम के प्रभारी फायर अधिकारी के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए उसे भैरवगढ़ सेंट्रल जेल भेज दिया। शासकीय अधिकारी से अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में अदालत के इस फैसले को सख्त संदेश माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई को सुबह करीब 11:50 बजे नगर निगम के प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट के लिए जयसिंहपुरा स्थित मां पीतांबरा होटल रेजिडेंसी पहुंचे थे। जांच के दौरान उन्होंने होटल संचालक के पुत्र ब्रजेंद्र उर्फ विकास अरोण्या से फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट, फायर ऑडिट रिपोर्ट और बिल्डिंग परमिशन के दस्तावेज मांगे।

आरोप है कि दस्तावेज मांगते ही विकास अरोण्या गुस्से में आ गया। उसने पहले फायर अधिकारी के साथ धक्का-मुक्की की, फिर उनके दस्तावेज काउंटर से उठाकर बाहर फेंक दिए। इतना ही नहीं, उनका वायरलेस सेट और चश्मा भी तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने फायर अधिकारी को थप्पड़ मारते हुए उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके चेहरे पर चोट आई।

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम के सहायक आयुक्त राघवेंद्र पालिया, उपायुक्त संजय गुप्ता और सहायक फायर अधिकारी सौम्या चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज जब्त कर लिया, जिसमें पूरी घटना कैद होने की बात सामने आई है।

मामले की सुनवाई के दौरान शासन और थाना महाकाल की ओर से आरोपी की जमानत का कड़ा विरोध किया गया। प्रभारी उप-निदेशक (अभियोजन) राजेंद्र कुमार खांडेगर के निर्देशन में एडीपीओ शैलेंद्र जीनवाल ने न्यायालय में तथ्यात्मक आपत्ति प्रस्तुत की। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी हार्दिक देवकर ने भी सरकारी पक्ष रखते हुए बताया कि आरोपी ने न केवल शासकीय अधिकारी पर हमला किया, बल्कि सरकारी कार्य में भी बाधा पहुंचाई। सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भैरवगढ़ सेंट्रल जेल भेजने के आदेश दिए। इस घटना के बाद नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में भी नाराजगी है। अधिकारियों का कहना है कि फायर सेफ्टी जैसी महत्वपूर्ण जांच के दौरान सरकारी कर्मचारियों पर हमला गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई भी शासकीय कार्य में बाधा डालने का दुस्साहस न कर सके।

देवास रोड पर अज्ञात वाहन ने वृद्ध को कुचला, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रोड पर रात 1:30 बजे के लगभग अज्ञात वाहन ने वृद्ध को कुचल दिया। मौके पर ही वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। शुक्रवार सुबह मृतक वृद्ध का पोस्टमार्टम कराया गया। नागझिरी थाना पुलिस ने बताया कि देवास रोड शिवांश वेली कॉलोनी के सामने रात 1:30 बजे सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध की मौत होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। अज्ञात वाहन द्वारा उसे कुचल दिया गया था। घटनास्थल से वृद्ध की बॉडी अस्पताल पहुंचाई गई और उसकी पहचान के प्रयास शुरू किए गए। आज सुबह पता चला कि मृतक लालपुर का रहने वाला रमेश पिता रघुनाथ 55 साल है। वह प्लास्टिक का सामान और भंगार एकत्रित कर बेचने का काम करता था और नशे का आदि भी था। रात में कई बार घर भी नहीं लौटता था। पुलिस के अनुसार फिलहाल मामला जांच में है अज्ञात वाहन की तलाश में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं।

बोहरा बाखल में लाखों की चोरी, 5 दिन बाद केस दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 5 दिन पहले गोद भराई के कार्यक्रम में गए बोहरा परिवार के मकान में लाखों की चोरी हो गई थी। पुलिस ने 5 दिन बाद मामले में प्रकरण दर्ज किया है। चोरी की आशंका परिचितों पर जताई गई है। जीवाजीगंज थाना क्षेत्र के कमरी मार्ग स्थित वजीरपुर में रहने वाले फखरुद्दीन शेख पिता हातिम के मकान में 5 जुलाई को चोरी की वारदात होना सामने आया था। मामले की शिकायत पुलिस से की गई थी जांच के बाद मामले में बीती रात पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। फखरुद्दीन शेख ने बताया कि वह हार्डवेयर की दुकान संचालित करता था लेकिन घाटा होने पर उसमें दुकान बंद कर सारा सामान भेज दिया था। जिसके 14 लाख रुपए घर में रखे थे, रूपयो के साथ घर से एक ब्रेसलेट और कर सोने की अंगूठी भी चोरी हुई है। वहां गोद भराई के कार्यक्रम में गए थे इस दौरान चोरी की वारदात हुई है। बोहरा परिवार को आशंका है की वारदात में किसी परिचित का हाथ हो सकता है फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है संभावना है कि जल्द मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

तथ्य छिपाकर ली गई सत्तवा सेक्टर-बी की विकास अनुमति निरस्त, हाईकोर्ट का टीएनसीपी को नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तथ्य छिपाकर और फर्जी शपथ पत्र के आधार पर इंदौर के ग्राम बड़ियाकीमा स्थित सत्तवा सेक्टर-बी कॉलोनी के लिए हासिल की गई विकास अनुमतियों को कॉलोनी सेल कलेक्टर ने निरस्त कर दिया है। इस मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने भी सख्त रुख अपनाते हुए टीएनसीपी विभाग को याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों का चार सप्ताह के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

मेसर्स सुपरलेटिव देवकॉन एलएलपी के पार्टनर जसप्रीत सिंह भाटिया, गिरिराज सिंह पटेल, अंकित पटेल और श्वेतांक श्रीमाल ने टीएनसीपी, कॉलोनी सेल और रेरा से धोखाधड़ी कर अनुमति प्राप्त की थी। इंदौर जिले की तहसील भिचौलीहप्सी के ग्राम बड़ियाकीमा में सर्वे नंबर 150/2, 151, 152 और 153/1 की कुल 2.141 हेक्टेयर भूमि पर सत्तवा सेक्टर-बी का निर्माण किया जा रहा था। कॉलोनाइजर ने इंदौर सिविल कोर्ट में स्वामित्व विवाद लंबित होने की महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर और फर्जी शपथ पत्र देकर यह अनुमतियां हासिल की थीं।

याचिकाकर्ताओं का दावा और हाईकोर्ट का आदेश

याचिकाकर्ता श्रवण उर्फ सन्नी और कुसुम के अधिवक्ता मानव बेनीवाल ने बताया कि यह जमीन याचिकाकर्ताओं की पैतृक संपत्ति है।

याचिकाकर्ताओं के नाबालिग रहते हुए उनकी मां ललिताबाई ने बिना अधिकार के यह जमीन मेसर्स हल्दिया रियल एस्टेट को बेच दी थी, जिसने बाद में इसे मेसर्स सुपरलेटिव देवकॉन एलएलपी को बेच दिया। संपत्ति को लेकर सिविल सूट (आरसीएसए-230/2023) विचाराधीन होने के बावजूद कॉलोनाइजर ने 16 मार्च 2023 को टीएनसीपी से मंजूरी ले ली थी।

गणेशोत्सव से पहले उज्जैन में इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का निर्माण शुरू

कोलकाता और महाराष्ट्र के कारीगर जुटे, मिट्टी, गोबर व प्राकृतिक रंगों से बन रहीं प्रतिमाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी में अभी करीब दो महीने का समय शेष है, लेकिन धार्मिक नगरी उज्जैन में गणेशोत्सव की तैयारियां अभी से तेज हो गई हैं। शहर के मूर्तिकारों के साथ-साथ कोलकाता और महाराष्ट्र से आए कारीगर भी प्रतिमा निर्माण में जुट गए हैं।

इस बार पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मिट्टी, गोबर और प्राकृतिक रंगों से तैयार की जा रही प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनने लगी हैं। शहर के नलिया बाखल, फ्रीगंज और अन्य मूर्ति निर्माण केंद्रों पर दिनभर कारीगर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बार प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की जगह मिट्टी से बनी प्रतिमाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। कलाकारों का कहना है कि लोग अब पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बंगाली कॉलोनी में कोलकाता से आए मूर्तिकार पारंपरिक शैली में भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। इन प्रतिमाओं के निर्माण में गंगा की मिट्टी, बैतूल की घास, पेड़ों की छाल, पत्तियां और प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। कलाकारों का कहना है कि इन प्रतिमाओं के विसर्जन से जल स्रोतों को नुकसान नहीं पहुंचता और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

स्थानीय बाजारों में इस बार 4 इंच से लेकर 10 फीट तक ऊंची गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। प्रतिमाओं की कीमत आकार, डिजाइन और कारीगरी के अनुसार लगभग 5 हजार से 50 हजार रुपए तक रखी गई है। बड़ी और विशेष थीम वाली प्रतिमाओं के लिए कई श्रद्धालु पहले से ही बुकिंग करा रहे हैं। गत वर्ष उज्जैन की पहचान से जुड़ी महाकाल थीम की गणेश प्रतिमाओं की मांग सबसे अधिक देखी जा रही है। बाबा महाकाल की झलक लिए विशेष सजावट वाली प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को खासा आकर्षित कर रही थी। मूर्तिकारों का कहना है कि हर साल की तुलना में इस बार महाकाल थीम के ऑर्डर अधिक मिल रहे हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर, सोमवार को मनाई जाएगी। इसी दिन से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी, जो अनंत चतुर्दशी तक चलेगा। इसे देखते हुए शहर के मूर्तिकारों ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं ताकि समय पर प्रतिमाओं की आपूर्ति की जा सके।

प्रतिबंधित पॉलीथिन पर नगर निगम की सख्त कार्यवाही परफेक्ट ट्रांसपोर्ट से डेढ़ क्विंटल प्लास्टिक जब्त किया गया

खुले में कचरा फेंकने पर होटल दिया के संचालक पर लगाया 4 हजार रुपए का जुर्माना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ एवं पॉलीथिन मुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 28 स्थित दूत तलाई क्षेत्र में स्थित परफेक्ट ट्रांसपोर्ट पर निरीक्षण के दौरान लगभग डेढ़ क्विंटल से अधिक प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई, कार्यवाही के दौरान संबंधित ट्रांसपोर्ट संचालक पर स्वच्छता निरिक्षक द्वारा 03 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया

इसी के साथ ही मालीपुरा स्थित होटल दिया के कर्मचारी द्वारा खुले में कचरा फेंकते पाए जाने पर होटल संचालक के विरुद्ध 4,000 रुपए का स्पॉट फाइन लगाया गया

उक्त कार्यवाही नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर स्वच्छता निरीक्षक श्री मुकेश भाटी एवं स्वच्छता अमले की उपस्थिति में की गई

नगर निगम द्वारा सभी ट्रांसपोर्ट संचालकों, व्यापारियों एवं होटल संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित पॉलीथिन का क्रय-विक्रय अथवा उपयोग किसी भी स्थिति में न करें तथा कचरा निर्धारित डोर-टू-डोर वाहन में ही डालें।

दूषित पानी से बढ़ता है डायरिया, टाइफाइड और पीलिया का खतरा

चिकित्सकों की सलाह- उबला पानी पिएं, हाथों की सफाई रखें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश के मौसम में दूषित पानी और गंदगी के कारण कई संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे शुद्ध एवं उबला हुआ पानी पिएं, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और भोजन से पहले तथा शौच के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं। उन्होंने बताया कि दूषित पानी के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिश और हैजा जैसी गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं।

सीएमएचओ ने बताया कि बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा खतरा दस्त रोग का रहता है, जो बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। दस्त होने पर तुरंत ओआरएस घोल और जिंक की गोली चिकित्सकीय सलाह के अनुसार दें तथा पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ पिलाएं। बासी और खुले खाद्य पदार्थों से बचें तथा फल-सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही उपयोग करें। उन्होंने बताया कि मानसून में कंजंक्टिवाइटिस (आई फ्लू) के मामले भी बढ़ जाते हैं। यह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क, तौलिया, रूमाल, दरवाजे के हैंडल और अन्य उपयोग की वस्तुओं से फैल सकता है। संक्रमण से बचने के लिए अलग तौलिया इस्तेमाल करें, आंखों को बार-बार हाथ न लगाएं और परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ. पटैल ने कहा कि बरसात में मलेरिया और डेंगू का खतरा भी बढ़ जाता है। घर और आसपास कहीं भी पानी जमा नहीं होने दें। कूलर, फूलदान और फ्रिज की ट्रे को सप्ताह में एक बार साफ करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और बुखार आने पर तुरंत खून की जांच कराकर पूरा उपचार लें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी अपनाकर बारिश के मौसम में होने वाली अधिकांश बीमारियों से बचा जा सकता है।

वीर भारत संग्रहालय के निर्माण कार्य का निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने किया निरीक्षण

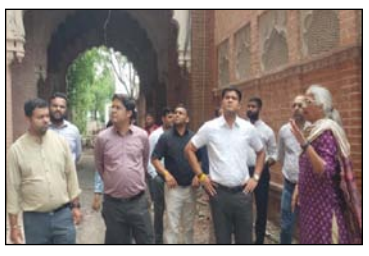

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत कोठी रोड स्थित ऐतिहासिक कोठी महल को ष्वीर भारत संग्रहालयष् के रूप में विकसित करने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। शुक्रवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने संग्रहालय के प्रथम तल पर चल रहे स्लैब कार्य, प्लास्टर, क्रैक स्टिचिंग, पॉइंटिंग सहित अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया, प्रथम तल पर कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार एवं कंसल्टेंट के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य की गति बढ़ाने तथा गुणवत्ता से निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने स्मार्ट सिटी अधिकारियों को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा वर्षा ऋतु के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने भवन की एक्सटर्नल कोटिंग के सैंपल का भी निरीक्षण किया और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दो पहिया वाहन और पैदल चल कर शहर का भ्रमण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार की शाम को उज्जैन पहुंचे। उज्जैन पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दो पहिया वाहन से एवं पैदल चलकर शहर का भ्रमण कर सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीआईपी गेस्ट हाउस देवास रोड़ से माधवनगर, टावर चौक होते हुए फ्रीगंज पहुंचे। फ्रीगंज ब्रिज के समानांतर बन रहे नए ब्रिज निर्माण कार्य का अवलोकन किया और सेतु विभाग के अधिकारियों से कार्य की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक चल रहे मार्ग चौडीकरण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों से उनकी कुशलक्षेम पूछकर निर्माणाधीन कार्यों के संबंध में चर्चा की। निजातपुरा पहुंचकर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोयला फाटक से निजातपुरा तक पैदल भ्रमण किया और इस दौरान क्षेत्रीय रहवासियों से मिले और उनका अभिवादन स्वीकार किया। रहवासियों ने भी अपने सरल और सहज स्वभाव के मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया और अनौपचारिक विषयों पर बातचीत की। कंठाल चौराहे की प्रसिद्ध मिष्ठान्न भंडार की दुकान पर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने दुकान संचालक की कुशलक्षेम पुछी। दुकान संचालक उस समय जलेबी बना रहे थे, उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जलेबी बनाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहजता से उनका आग्रह स्वीकार करते हुए अपने पन के साथ जलेबी बनाई और शाम की चाय का आनंद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों में से कुछ पूर्ण होने वाले है और कुछ पूर्ण भी हो चुके है। आमजन में विकास कार्यों के प्रति संतोष है। कई कार्यों की काफी समय से आवश्यकता थी, वे प्रगतिरत है। आने वाले समय में निर्माण कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा। भगवान श्री महाकालेश्वर की सावन भादौ मास में निकलने वाली सवारी के प्रबंधन पर भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से चर्चा की गई। इस दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सौलंकी, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मध्यप्रदेश

माय यूथ माय प्राइड कान्क्लेव

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश — अनंत संभावनाएं | MSME | MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

प्रदेश के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की ऐतिहासिक पहल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

11 जुलाई 2026 | ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर

5,000 युवा

संवाद से संकल्प तक

- प्रत्येक सेक्टर के युवा स्वयं तैयार करेंगे कार्यान्वयन योग्य "युवा संकल्प"

क्रांति और ज्ञान का संगम

- अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद को समर्पित आज़ाद युवा बाइक रैली और शंकर संकल्प साइकिल यात्रा के माध्यम से आदि शंकराचार्य के एकात्म दर्शन से जुड़ेंगे युवा

10 प्रमुख सेक्टर

युवा विचार, युवा समाधान 5 सेक्टोरल वर्कशॉप्स

- शिक्षा एवं कौशल
- खेल एवं स्वास्थ्य
- एमएसएमई, आईटी एवं स्टार्ट-अप
- कृषि एवं पर्यावरण
- संस्कृति, जन-अभियान एवं पर्यटन में भविष्य की दिशा तय करेंगे युवा

एक साझा मंच

मध्यप्रदेश युवा संकल्प 2026

- वर्कशॉप से प्राप्त विचारों से तैयार होगा राज्य का साझा विज़न डॉक्यूमेंट

युवा उत्कृष्टता का सम्मान

चार नई श्रेणियों में मुख्यमंत्री युवा पुरस्कारों की घोषणा

- युवा शिखर सम्मान
- युवा नवाचार
- युवा समाज सेवा
- युवा कला-क्रीड़ा गौरव पुरस्कार

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

D11054/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026